

Mehr Chand Mahajan DAV College For Women
Sector-36, Chandigarh



स्वास्ति धारा

Character Building Committee Annual Report

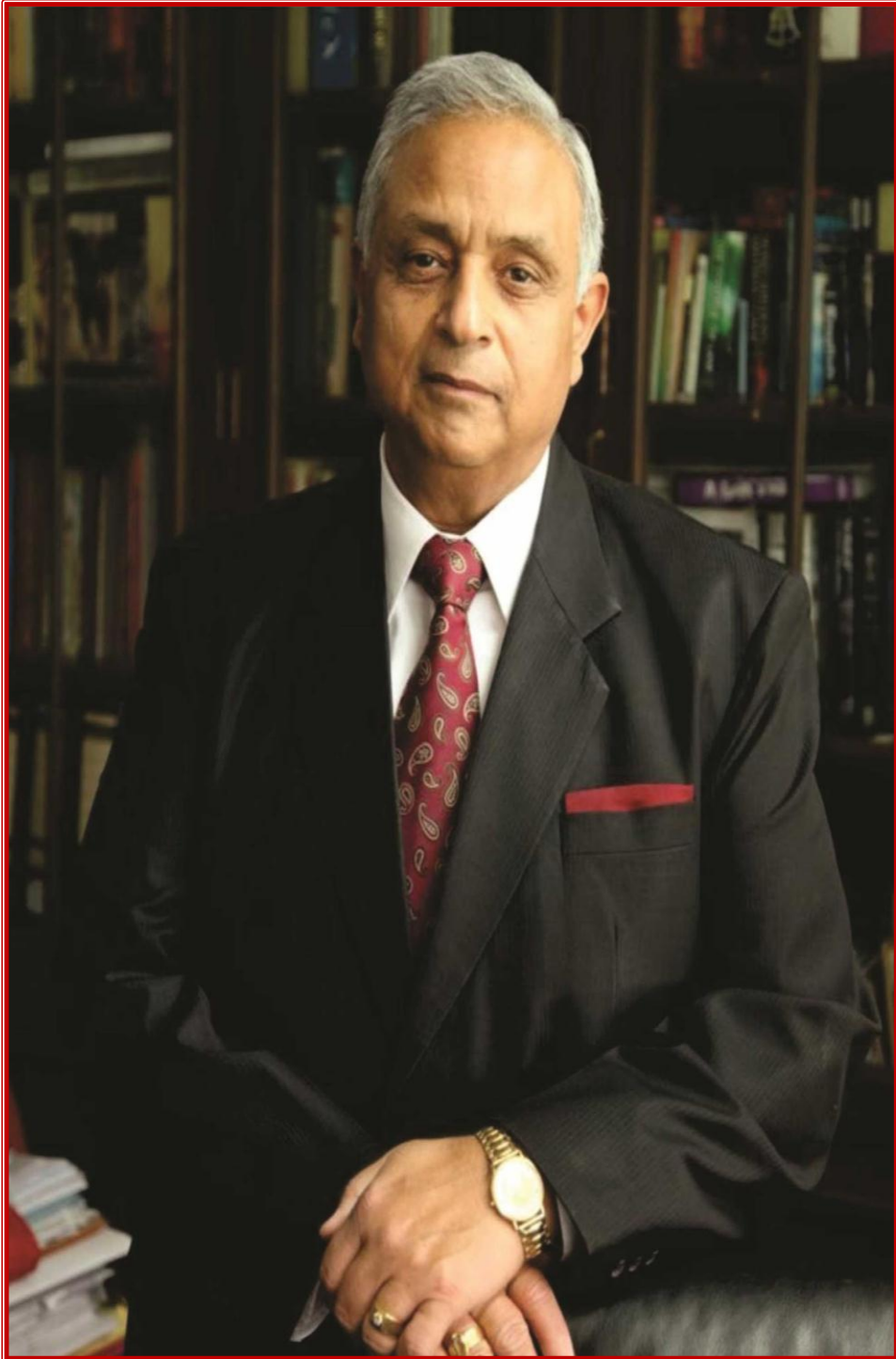
2020-21

Our Beacon of Light



MAHARISHI SWAMI DAYANAND SARASWATI

Our Guide and Mentor



*Dr. Punam Suri Ji, Padma Shree Awardee
Hon'ble President
DAV College Managing Committee
New Delhi*

From the Principal's Desk



Dr. Nisha Bhargava, Principal
Our Inspiration

It gives me immense pleasure to bring forth the maiden issue of the Booklet on the activities of the Character Building Committee of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women. When the world reeled under the impact of Covid 19 pandemic, new ideas kept sprouting in the environs of our College. In the backdrop of National Education Policy, 2020 the Character Building Committee was ideated and formed in October 2020 for the implementation of the lofty ideals of education towards formation of righteous character of our students. The events and activities were managed by student ambassadors who simultaneously strove and learnt.

The events aimed to inculcate various virtues in the students ; be it nurturing the values of eco friendly celebrations with ‘Best out of waste’, ‘Eco Friendly Diwali Fest’ or focusing on positive outlook in the journey of life with events like ‘Resilience’, ‘Every Cloud has a Silver Lining’ and ‘Secret of Values Leading to Success’. Celebrating the glory of womanhood, ‘Aparajita’ was a novel platform for young Naval cadets to share and strengthen the bond. Efforts were also made to encourage creative expression woven around competitions like ‘Bhajan Gayan’ and ‘Storytelling’. Revelling in the unique talents of our students,

‘Samanvay’ brought the talents of our students to the fore. The celebrations of The International Day of Persons with Disabilities was another step towards an inclusive society as all of us walk hand in hand towards the India of our dreams.

I am beholden to the Registrar Dr. Savita Thapar, Advisory Members, Convener Dr. Seema Kanwar, Coordinators Dr. Neetu and Dr. Amardeep Kaur, and all the members of the Character Building Committee for ensuring that the distance between the lip and the cup was covered. I would also like to express my warm greetings and blessings to our student ambassadors who enthusiastically arranged and managed the events. Without their inputs, the activities would not have garnered the kind of response that we were able to receive. We are fortunate to be in the benign presence of our torch bearers from the DAV Managing Committee who guided and supported us all along this journey. I express my gratitude to Dr. Punam Suri ji, Padma Shree Awardee, Hon‘ble President, DAV College Managing Committee, New Delhi who always encouraged us to remain positive and ‘Keep Smiling’ which we tend to take for granted as we go through our daily life. We imbibed his mantra of ‘Swasth raho! Vyasth Raho! Aur Mast Raho!’ as we engaged in the activities. I would also like to thank Shri H.R. Gandhar ji, Senior Governing Body member of the College and Vice President DAVCMC who continues to motivate us to take pride in our diverse culture and vibrant heritage. He inspires us to take pride in our rich legacy and the events and competitions which were conceptualised reflected this ideology. I would also like to thank Shri Shiv Raman Gaur ji, Director Higher Education, DAVCMC for standing by us in all the noble endeavours of the College.

May the good intentions behind our conviction and purpose continue to illuminate our path towards positively nurturing the character of each young woman who walks into the portals of the College!



**Dr. Nisha Bhargava,
Principal**

**“ARISE, AWAKE AND STOP NOT UNTIL THE GOAL IS
REACHED” - SWAMI VIVEKANANDA**

Mission, Vision and Objectives of 'Charitra Nirman Committee'

Mission

Equipped with the right life skills and instilled with respect for our rich legacy, students to be groomed to apply the educational values to their day to day life making the academic journey more relevant and meaningful by engaging them in various learner centric activities.

Vision

To develop unique character traits in students aligned with the dynamic objectives of education rooted in our cultural ethos and to inculcate the qualities of resilience, interpersonal skills, effective communication, nationalism, spiritual perspective, analytical outlook, respect for constitutional values and environmental awareness.

Objectives

- *To strive for a global perspective rooted in pride for our country*
- *To reflect, learn and revel in our rich heritage*
- *To communicate in a meaningful way*
- *To critically analyze and apply the accumulated knowledge in day to day life*
- *To be an invaluable team member by aligning with the common goals for nation's development*
- *To create awareness regarding our duties towards our nation*
- *To appreciate the unity in diversity ingrained in the fabric of our society*
- *To nurture faculties of students as per their unique capabilities*
- *To respect public property*
- *To enthuse the spirit of constitutional values in the students.*

Message from the Chairperson

प्रिय विद्यार्थियो!

हमारी संस्था मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ भारत के तृतीय मुख्य न्यायाधीश मेहरचंद महाजन की स्मृति में 1968 में स्थापित की गई थी। न्यायाधीश महाजन जम्मू कश्मीर के पूर्व प्रधानमंत्री भी थे। वर्तमान समय में यह संस्था डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति के तत्वाधान में हमारे परम आदरणीय प्रधान डॉक्टर पूनम सूरी जी की छत्र-छाया में एक राष्ट्रीय महत्व संस्था के रूप में कार्य कर रही है।

इस समय सारा संसार कोरोना जैसी भयानक महामारी से जूझ रहा है और मैं ये आपको बताना चाहती हूँ कि इस समय हमारे स्टाफ़ के सदस्यों ने अपना मनोबल कायम रखते हुए ऑनलाइन शिक्षण को सहजता के साथ अपना लिया है। लगभग एक साल से यहाँ ऑनलाइन सेमिनार और वर्कशॉप हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों में देश-विदेश से लोग बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले संचार कौशल पर एक राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) प्रायोजित कार्यशाला हुई जिसमें देश भर से और 19 अलग-अलग देशों से लगभग 1300 लोगों ने ऑनलाइन भाग लिया। इसी प्रकार नारी सशक्तिकरण पर एक अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें भारत के अलावा 23 देशों से 1200 से भी ज़्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी प्रकार चरित्र निर्माण पर भी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) द्वारा प्रायोजित वर्कशॉप हुई जिसमें 1000 से भी ज़्यादा व्यक्तियों ने देश और विदेशों से भी भाग लिया।

इस अवसर पर मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर को बहुतबहुत धन्यवाद करती हूँ। साथ ही मैं स्टाफ़ का भी आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके अथक प्रयासों से कठिन समय में भी संस्था प्रगतिशील रही है। मुझे चरित्र निर्माण समिति की पहली रिपोर्ट में अपने विचार प्रकट करते हुए अपार हर्ष हो रहा है। इस समिति का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा देना भी है जिससे कि हमारे भौतिक विकास के साथ साथ मानसिक विकास भी हो। हमारे विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण हो। वे सशक्त मानव के रूप में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। औपचारिक शिक्षा स्कूल में शुरू होती है किन्तु एक बच्चे की शिक्षा उससे कहीं पहले शुरू हो जाती है। सच तो यह है कि बच्चे की शिक्षा जन्म से पहले ही शुरू हो जाती है। माँ की जैसी भावनाएँ और विचार होते हैं वह शिशु में चले जाते हैं। जब बच्चे का जन्म होता है तो उसके आस पास का माहौल भी उसके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। बचपन में परिवार के द्वारा दिए गए संस्कार व्यक्ति को जीवन पर्यंत प्रभावित करते हैं।

हम सब को यह ज्ञात है कि शिक्षा न केवल व्यक्तित्व का विकास और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने का काम करती है बल्कि मानव को सभ्य बनाती है, उसमें आत्मविश्वास

जगाती है। शिक्षा द्वारा व्यक्ति अच्छे-बुरे में भेद करना सिखाती है और सबसे बढ़कर शिक्षा चरित्र निर्माण करती है। चरित्र निर्माण में परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समूह में काम करना, सहयोग करना, सहनशक्ति जैसे गुण परिवार से ही आते हैं। परिवार से हमें प्रेम, लगाव, प्रेरणा, सहानुभूति जैसी भावनाएँ सीखने को मिलती हैं ।

अगर हम विस्तार से बात करें तो चरित्र हमें सत्य की रक्षा करना सिखाता है, हमें सत्कर्म करना सिखाता है, चरित्र ही हमें अन्याय से लड़ना, बड़ों का आदर करना, कमज़ोर की रक्षा करना सिखाता है । चरित्र वो है जो विपरीत परिस्थितियों में भी हमें हताश नहीं होने देता और हमारे विश्वास को बनाए रखता है ।

एक चरित्रवान व्यक्ति अनेक क्षेत्रों में संवेदनशील होता है । उसकी संवेदना है; मानवता और समाज के लिए, उसकी संवेदना है; परिवार के लिए, राष्ट्र के लिए । पर्यावरण के लिए भी उसका दायित्व है । उसे पर्यावरण को नष्ट होने से बचाना है। संसार में रहते हुए इस प्रकार की बहुमुखी प्रतिभा उत्तम चरित्रवान व्यक्तियों में ही होती है।

हमारी भारतीय संस्कृति में कुछ उपयुक्त उदाहरण हैं जिनके माध्यम से मैं अपनी बात कहना चाहूँगी । सबसे पहले श्रीराम का चरित्र, अध्ययन करें तो उनके विलक्षण चरित्र के बारे में हमें ज्ञान होता है । उन्हें जब बताया गया कि उन्हें अयोध्या का राजा बनाया जाएगा तब भी वो मंद-मंद मुस्करा रहे थे और जब उन्हें यह बताया गया कि उन्हें 14 वर्ष के बनवास पर जाना पड़ेगा तब भी वह विचलित नहीं हुए और अपनी उस मुस्कान को उसी प्रकार मुख पर कायम रखा । उनके व्यवहार में सहनशीलता की पराकाष्ठा मिलती है । इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है ।

इसी प्रकार श्रीकृष्ण का उदाहरण देखिए जिन्होंने समस्त विश्व को कर्म का सिद्धांत दिया। उन्होंने कहा 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात् हे मनुष्य ! कर्म करना तेरा अधिकार है फल पर तेरा अधिकार नहीं है तू फल के लिए कर्म मत कर । श्रीकृष्ण का गीता - उपदेश आज भी समस्त विश्व में प्रसिद्ध है और सभी उसका अनुकरण कर रहे हैं।

यदि सचरित्रता का जीवंत उदाहरण चाहिए तो स्वामी दयानंद सरस्वती जी का चरित्र देखें जिन्होंने संपूर्ण मानवता को राष्ट्रवाद एवं भाईचारे का संदेश दिया। स्वामी जी ने बताया कि एक बच्चे को तीन जगह से शिक्षा प्राप्त होती है उसके माता-पिता एवं गुरु द्वारा । स्वामी जी ने स्त्री शिक्षा पर भी बल दिया । जब स्वामी जी ने देखा कि हिन्दू धर्म में इस प्रकार के रीति-रिवाज़ विकसित हो रहे हैं जिनका वैदिक धर्म से कोई संबंध नहीं है तब उन्होंने समाज

सुधार का संकल्प लिया । इसीलिए उन्हें आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक माना गया है।

स्वामी जी स्वराज्य के बारे में बात करने वाले पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य से भारत को आज़ाद कराने का स्वप्न देखा और उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की। लाला लाजपत राय ,शहीद भगत सिंह,गोपाल कृष्ण गोखले तथा रामप्रसाद बिस्मिल जैसे लोग आर्य समाज से जुड़े और आर्य समाज ने स्वामी जी के स्वप्न को पूरा करने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिक निभाई।

स्वामी विवेकानंद जी का विलक्षण चरित्र देखिए जिन्होंने कहा था 'समस्त शक्ति आपके भीतर है' । स्वामी विवेकानंद जी ऐसे समय में जब यातायात के साधन सीमित थे, विदेश भ्रमण के लिए गए । उनके विदेश जाने का मुख्य उद्देश्य था भारत के विकास के लिए धन जुटाना । विश्व धर्म सम्मेलन जो कि शिकागो में हो रहा था और वहाँ सभी वक्ता श्रोताओं को ladies and gentlemen कह कर संबोधित कर रहे थे वहाँ उन्होंने श्रोताओं को sisters and brothers of America कह कर संबोधित किया और भारत को उन्होंने mother of all religion कहते हुए समस्त विश्व को भाईचारे का संदेश दिया। उनका संदेश था, "हमें वह शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र निर्माण हो, जिससे मन की शक्ति में वृद्धि हो, जिससे बुद्धि का विकास हो और जिससे हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें ।"

महात्मा गांधी जी के व्यक्तित्व को देखें, उन्होंने भारत की स्वतंत्रता में जो भूमिका अदा की वह अतुलनीय है। ब्रिटिश साम्राज्य जिसके बारे में कहा जाता था कि वहाँ सूर्यास्त नहीं होता । ऐसे ब्रिटिश साम्राज्य को महात्मा गांधी जी ने अपने केवल 2 अस्त्रों से हराया और वो दो अस्त्र थे सत्य और अहिंसा। सरदार पटेल जिन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात पूरे देश का एकीकरण किया। उस समय भारत में 500 से भी अधिक छोटे-छोटे राज्य थे । जिनमें एकता नहीं थी और सरदार पटेल ने इन सभी को एक सूत्र में बाँधा । इन सभी महान व्यक्तियों के चरित्र से हमें शिक्षा मिलती है कि चरित्र निर्माण राष्ट्र निर्माण की पूर्व स्थिति है । हम सब जानते हैं कि भारत प्राचीन काल से ही विश्व गुरु रहा है। यहाँ नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय हुआ करते थे जहां विश्व भर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे। भारत में परंपरागत रूप से संयुक्त परिवार प्रथा रही है जहाँ जन्म से ही है बच्चे को नैतिक शिक्षा प्राप्त होती है । इसके अतिरिक्त भारत की गुरुकुल प्रणाली प्राचीन काल से चली आ रही थी । मध्यकाल में अन्य क्षेत्रों के साथ साथ भारत की शिक्षा प्रणाली का भी हास हुआ और ब्रिटिश काल में आधुनिक शिक्षा

प्रणाली अस्तित्व में आयी उसने भारतीय शिक्षा का स्वरूप पूरी तरह से बदल दिया। संस्कृत जिसे विश्व की बहुत सी भाषाओं की जननी माना जाता है, विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गई।

स्वतंत्रता के पश्चात भारत की शिक्षा नीति में परिवर्तन तो हुआ, किन्तु अभी तक भी ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली का प्रभाव हमारी शिक्षा पद्धतिपर देखा जा सकता है। जिसका मुख्य दोष यह है कि यह डिग्री तो देती है किन्तु कौशल निर्माण और रोजगार उपलब्ध करवाने में क्षीण है। इसके अलावा इसमें अन्य बहुत-सी कमियाँ आ गई हैं, इसलिए लंबे समय से इसमें परिवर्तन की आवश्यकता अनुभव हो रही थी। नई शिक्षा नीति निश्चय ही एक उत्तम पहल है। इस नीति के निर्माण से पहले राष्ट्रीय स्तर पर अनेकों विचार-विमर्श किए गये एवं सुझाव आमंत्रित किए गए। परिणाम स्वरूप एक विस्तृत नीति प्रस्तुत की गई जिसका मुख्य उद्देश्य, वैश्विक स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में समकालीन प्रवृत्तियों को समाहित करना और उसके साथ ही इसमें भारतीयता के उत्तम गुणों का भी समावेश करना है। हमारी नई शिक्षा प्रणाली हमारे प्राचीन मूल्यों और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को फिर से जागृत करने का उद्देश्य रखती है।

इस नीति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसा प्रयत्न किया गया है जिससे न केवल मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा बल्कि जीवन कौशल की तकनीकों के साथसाथ गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा प्रदान करने पर भी बल दिया जाएगा। इस नीति की सबसे विलक्षण बात है कि यह विभिन्नता में एकता को प्रोत्साहित करती है जो कि भारतीय संस्कृति की एक प्रमुख विशेषता है।

हम आशा करते हैं कि यह नीति नव भारत निर्माण में मील पत्थर सिद्ध होगी और अपने भव्य अतीत को आत्मसात् करते हुए ये देश पुनः विश्व गुरु बनाने के पथ पर अग्रसर होगा।

अब प्रश्न यह उठता है कि चरित्र निर्माण कैसे हो? हम जानते हैं कि हमारी वर्तमान पीढ़ी बहुत बुद्धिमान होने के साथ साथ अत्यंत महत्वाकांक्षी है और लोग बहुत जल्दी सफलता की चोटी पर पहुँच जाना चाहते हैं। इसका मुख्य कारण यही है कि उन्होंने अधिकांश तौर पर आधुनिक ढंग की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान समय में बच्चों को नैतिक शिक्षा सही ढंग से नहीं मिल पा रही है और वर्तमान पीढ़ी में नैतिक और चारित्रिक पतन बढ़ रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। परिवार विच्छेद बढ़ते जा रहे हैं। वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस प्रवृत्ति को बदलने की बहुत ज़रूरत है। यदि हमने राष्ट्र निर्माण करना है तो नैतिक शिक्षा को प्रमुख शिक्षण धारा का अभिन्न

अंग बनाना होगा। इसके अतिरिक्त घर को ही गुरुकुल बनाना होगा अर्थात नैतिक शिक्षा का प्रचार प्रसार फिर से परिवार से और घर से ही प्रारम्भ करना होगा । चरित्र निर्माण के लिए हमें बच्चों को कम आयु में ही अच्छा साहित्य उपलब्ध कराना चाहिए । उन्हें महान व्यक्तियों के जीवन चरित्र से परिचित कराना चाहिए।

मैं बताना चाहूँगी कि हमारी संस्था नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण के लिए वचनबद्ध है । मैं अपने कालेज की बहुत सी कमेटियों जैसे कि स्वच्छता कमेटी, मेंटोरशिप कमेटी, रूसा, एनसीसी, एनएसएस और उन्नत भारत अभियान कमेटियों के द्वारा किए जा रहे श्रेष्ठ कार्य की सराहना करना चाहूँगी। यह कमेटियाँ सारा वर्ष अपने अपने कार्य में व्यस्त रहती हैं। इन कमेटियोंने सदा ही संस्था का गौरव बढ़ाया है और इनके अथक प्रयासों से संस्था को अनेकों बार राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर

पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2018 में स्वच्छ भारत अभियान में कॉलेज को मानव संसाधन विकास मंत्रालय से रेजिडेंशल कॉलेज कैटेगरी मे देश भर में प्रथम पुरस्कार मिला। इसी प्रकार वर्ष 2019 में सिटिज़न इनिशिएटिव कैटेगरी के अंतर्गत आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से संस्था को देश भर में तृतीय पुरस्कार मिला और अभी सन 2020 में हमारी संस्था को एमएचआरडी

ने एक स्वच्छता एक्शन प्लान संस्था के तौर पर नामांकित किया है । इसी प्रकार कुछ समय पहले ही एड्स जागरूकता कमेटी के तत्वाधान में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन नाको (NACO) से हमें बेस्ट रेड रिबन क्लब का सम्मान प्राप्त हुआ है । सन् 2021 में हमें खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण के लिए राज्य स्तर की तकनीकी संस्था के रूप में नामांकित किया गया है ।

मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी हम सब मिल कर चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे और नवभारत का निर्माण करेंगे । मैं चरित्र निर्माण समिति के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ विशेषकर डॉ० सीमा कंवर जिन्होंने इस कार्य को उत्कृष्टता से करने का संकल्प लिया है । मैं आशा करती हूँ कि चरित्र निर्माण के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के कार्यों में यह समिति एक मील का पत्थर साबित होगी ।

जय हिंद जय भारत !

निशा भार्गव
प्रधानाचार्या



*Nature through
the lens of
Dr. Nisha Bhargava*



पहली किरन



उठो कि सुबह की पहली किरन जगाती है तुम्हें
मंज़िलें आवाज़ दे के अपने पास बुलाती हैं तुम्हें ।

उठो अभी तो तुमको बहुत बहुत दूर जाना है
जाने कितने लोगों का मुस्तकबिल सजाना है ।

ये तय है कि रास्ते में

कुछ मुश्किलें भी आएँगी

सफ़र की गर्दिशें तुम्हारे हौसले को आजमायेंगी।

याद रखना हर ठोकर पे गिर के सँभलना है तुझे

हाथ की लकीरों में लिखा

मुक़द्दर बदलना है तुझे ।

ये मुमकिन है मंज़िल से पहले ही शाम हो जाये

तेरी नाकामियों का चरचा भी सरेआम हो जाए ।

वो वक़्त आये तो सर को शान से उठा लेना

अँधेरे को ही अपना हमसफ़र बना लेना ।

चलते जाना चाँद सितारों की चादर के तले

सुबह की रोशनी तुमसे आके फिर मिलेगी गले ।

उसी सुबह के इंतज़ार में रात भर चलना होगा

उजाला चाहिए तो खुद शमा बनके जलना होगा।

उजाला चाहिए तो खुद शमा बनके जलना होगा!!

Message from the Convener



डॉ. सीमा कंवर
अध्यक्षा संस्कृत विभाग
कन्वीनर, चरित्र निर्माण कमेटी

संदेश

उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर अपने विद्यार्थियों के सर्वाङ्गीण विकास हेतु अपनी तरह के अद्भुत प्रयास में मेहरचंद महाजन डी ए वी कालेज फार वुमेन ने 7 अक्टूबर 2020 में चरित्र निर्माण कमेटी का गठन किया। समिति की अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसका उद्देश्य है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उल्लेखित नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि के अनुरूप 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में हमारी भावी पीढ़ी हर प्रकार से सक्षम हो। वर्तमान शिक्षा प्रणाली नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण को एक अभिन्न अंग बना कर छात्राओं का भविष्य सुदृढ़ करेगी। समाज का उत्थान भी तभी सम्भव है जब हम चरित्र को महत्व देते हुए तकनीकी कौशल को आगे बढ़ाने के लिए सतत अभ्यास करते रहें। सत् चरित्र हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है। चरित्र निर्माण कमेटी के सदस्यों एवं चरित्र निर्माण कमेटी के छात्राओं ने विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान में गौरव की भावना पैदा करने और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण से विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन एवं गतिविधियों का आयोजन किया साथ ही बढचढ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हमारी प्राचार्या डाक्टर निशा भार्गव जी के हम अत्यंत आभारी हैं कि उनके आशीर्वाद, दिशानिर्देश, प्रोत्साहन और प्रेरणा से समिति अपने कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने में सक्षम एवं प्रशंसित हो रही है। चरित्र निर्माण कमेटी के सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं कमेटी के साथ जुड़े सभी छात्राएँ भी बधाई की पात्र हैं।

अन्त में स्वरचित कविता के माध्यम से भावी पीढी के कर्णधार प्यारी छात्राओं को संदेश:-

कविता का शीर्षक है "बढे चलो"

बढे चलो

बढे चलो तुम सफलता की राह पर
न रुके पग कठिन से कठिन डगर पर
पालन हो सदैव नीति का न हों पथभ्रष्ट
हो सुशील, धैर्यवती ,कर्मशील वीराङ्गना
देश की आन बान शान को है बढाना
अभी तो तुम हो राहों के कोमल फूल
नहीं बनना तुम्हें कोई भी राह का शूल
संस्कृति का पालन कर संस्कारी बनो
देश की तकदीर बन तुम विशेष बनो
पानी की तरह निर्मल नीर बनो
पर्वत के समान दृढ़ निश्चयी बनो
सागर की नैया की पतवार बनो
अपना और अन्यो का उद्धार करो
सीता सी पवित्र सलोनी नार बनो
सुनीता विलियम्स सी ऊँची उड़ान भरो
जन जन के मन में तुम गान बनो
भारत मां का तुम अभिमान बनो
कोयल सी मीठी वाणी बोलो
नन्हें बच्चों की मुस्कान बनो
वेदादि ग्रन्थों का पठन पाठन करो
तुम पावन कार्यो की विजेता बनो



डॉ सीमा कंवर
अध्यक्षा संस्कृत विभाग

Members of Character Building Committee

(Constituted on 7 October, 2020)

Chairperson

Dr Nisha Bhargava

Registrar

Dr. Savita Thapar

Convener

Dr Seema Kanwar

Coordinators

Dr Neetu
Dr Amardeep Kaur

Press Reports

Dr. Preeti Gambhir
Ms. Sukarma Verma

Technical Support

Mr. Ashish Mudgal

Advisory Members

Ms Deepa
Ms Jyotsna
Ms Suman Mahajan
Ms Vandana Syal
Ms Madhvi Bajaj
Dr Archana Bakshi
Ms Vandita Kapoor

Members

Dr. Deeksha Gupta
Dr. Sunaina Jain
Dr. Leetika
Dr. Sonica
Dr. Pallvi Rani
Dr. Minakshi Rana
Dr. Aparna Sharma
Ms. Ruchika Singh

Student Ambassadors

Ambassadors of Dr. Seema Kanwar

- 1) Aditi Joshi, BA I, 3359
- 2) Bhawna Rani, BA I, 3218
- 3) Shambhavi, BA I, 2955
- 4) Avantika Sharma, BA I, 2703
- 5) Harmanpreet, BSc. Med, 1164
- 6) Jasnoor BA I, 2728
- 7) Khushbu BA I, 3050
- 8) Kriti Chopra BA I, 3173
- 9) Kriti Sharma BA I, 2841
- 10) Neeruj BA I, 2756
- 11) Saashi BA I, 3525
- 12) Serena BSc I Non Med., 433
- 13) Abha Sharma, BAI, 3281
- 14) Tanya, BA I, 3457
- 15) Inderjot B.Com II-Hons 10007
- 16) Ranjana Yadav B.Com II Hons.
10169
- 17) Ridhi BA-III eco Hons 2147

Ambassadors of Dr. Neetu

- 1) Prachi Duggal BSc I Med, 265
- 2) Jaskirat Kaur BSc I Med, 187

Ambassadors of Dr. Amardeep Kaur

- 1) Kajal BA III 2143
- 2) Gurkamal BA III 1765

Ambassadors of Ms Pallavi Rani

- 1) Priyanshi, B. Com II, 10392
- 2) Yavantika, B. Com II, 10373
- 3) Priyashi, B. Com II, 10372
- 4) Aishani, B. Com II, 10164

Ambassadors of Dr. Aparna Sharma

- 1) Daanish Kaur, BA III, 2379
- 2) Navneet Kaur, BA III, 2382
- 3) Nimrat Kaur, BA III, 6836
- 4) Yotasha, BA III, 1613

Ambassadors of Dr. Minakshi Rana

- 1) Pranamya, BA I, 3463
- 2) Shrishti Sharma, BAI, 3331
- 3) Srizen Khaneja, BA III ENG Hons,
6914

Activities conducted by Character Building Committee

(October 2020 to March 2021)

1. Character Building Activity 'Kudrat (Outstanding Classroom activity)' based on the teachings from Gurbani from 12 October 2020 to 19 October 2020
2. 'Best Out of Waste Competition' from 18 October 2020 to 21 October 2020
3. 'Sadbhavna : Reflecting upon the holy Ramayana for the ideals of life' on 22 October to 25 October 2020
4. Online competitions 'Go Eco Friendly Green Diwali Fest' from 3 November 2020 to 7 November 2020
5. 'Resilience' - a poetry recitation event on 7 November 2020
6. Powerpoint Presentation Competition 'मुश्किल घड़ी में मधुर यादें' on 19 November 2020 to 22 November 2020
7. 'Aparajita' an online event based on the life of inspiring personalities on 21 November 2021
8. Online Ice Breaker Activity: 'How well do you know your classmates?' on 21 November 2020
9. 'Iconic Integrity - Excerpts in Professionalism' an online event showcasing the theme with Powerpoint Presentations on 23 November 2020
10. Poster Making Competition on 'International Day of Persons with Disabilities' from 25 November to 1 December 2020
11. An Online Short Story telling activity on the theme 'Valuable Lessons Learned from Failures' on 28 November 2020
12. 'Secret of Secret Values leading to Success~ A Channel to Exemplify the Invisible Power' on 1 December 2020
13. 'Samanvaya' - An Online activity from 19 December to 22 December 2020
14. 'Spread a Smile' an online Inter College Competition from 6 January to 12 January 2021
15. Online 'Deshbhakti Geet Gayan Pratiyogita' from 23 January 2021 to 25 January 2021
16. An Online 'Patriotic Poetry Writing Competition' on the occasion of Republic Day on 26 January 2021
17. Online 'Bhajan Gayan' Competition on 12 February 2021
18. 'परिणीता' an online poetry composition competition on 8 March 2021

19. 'Women in Leadership' on the occasion of international Women's Day on March 08, 2021
20. Felicitation Function for Swachhta initiatives held on 10 March, 2020
21. Inter College Activities On Baisakhi
22. "Harvest Festivals: A time to celebrate Mother India"
23. Critical Citizenship- Earning and Learning Sensibly: A workshop cum Awareness
24. Online Intra-College activity on Mother's Day – "Capture a Moment of You and your Mom"
25. Inter - College Competition on the occasion of World Environment Day
26. 'Ayushman Bhava', a workshop cum awareness program on relevance of Ayurveda in modern life with special reference to lifestyle disorders
27. 'Build Your Mind Power', an online competition

Media Coverage of Constitution of Charitra Nirman Committee

एमसीएम ने चरित्र निर्माण समिति का गठन किया। (फास्ट मूव्स) चंडीगढ़, विनोद कुमार। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) के दिशानिर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर अपनी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अपनी तरह के एक अनूठे प्रयास में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति (कैरेक्टर बिल्डिंग कमेटी) का गठन किया। समिति की उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने इस समिति की अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसके उद्देश्य को साझा करते होते कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि के अनुरूप, एमसीएम डीएवी कॉलेज ने यह कदम 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारी भावी पीढ़ी को हर प्रकार से सक्षम बनाने के लिए उठाया है। उन्होंने कहा कि इस समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली गतिविधियाँ छात्राओं को अनुभवात्मक शिक्षा और गहन सोच प्रदान करने के साथ साथ वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और चरित्र-निर्माण को भी एक अभिन्न अंग बनाकर छात्राओं का भविष्य सुदृढ़ करेगी। डॉ. भार्गव ने बताया कि छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के अलावा, समिति छात्राओं को हमारी विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान में गौरव की भावना पैदा करने और उन्हें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करेगी। बैठक में समिति के सदस्यों ने गतिविधियों से जुड़े अपने मूल्यवान विचारों का आदान प्रदान किया जो कि इस समिति के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक होंगे। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव की अध्यक्षता में गठित इस 21 सदस्यीय समिति में सलाहकार सदस्यों में डॉ. सविता थापर, रजिस्ट्रार, श्रीमती ज्योत्सना, हेड-डिपार्टमेंट ऑफ होम साइंस, श्रीमती सुमन महाजन, डीन एग्जामिनेशन, श्रीमती दीपा, डीन कल्चरल कमेटी, श्रीमती वंदना स्याल, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, श्रीमती माधवी बजाज, हेड-डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, डॉ. अर्चना बखशी, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स अर्थशास्त्र विभाग तथा श्रीमती वंदिता कपूर, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, डॉ. सीमा कंवर, हेड- डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत विभाग तथा चरित्र निर्माण कमेटी की कन्वीनर तथा डॉ. अमरदीप कौर, डिपार्टमेंट ऑफ पंजाबी एवं चरित्र निर्माण कमेटी की कोर्डिनेटर शामिल हैं। कमेटी के अन्य सदस्यों में श्रीमती दिशा गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, डॉ. लीतिका, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, डॉ. सुनैना जैन, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, डॉ. पल्लवी रानी, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, डॉ. सोनिका, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, आइटी प्रबंधन हेड आशीष मुद्गल, डॉ. प्रीति गंधी, डिपार्टमेंट ऑफ मास कम्युनिकेशन, डॉ. मीनाक्षी राणा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, सुश्री सुकमा, डिपार्टमेंट ऑफ वीडियो रिपोर्टिंग, डॉ. अपरा शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश और रुचिका सिंह डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश शामिल हैं।

MCM forms Charitra Nirman Committee

CHANDIGARH, OCT 8

In a first of its kind endeavour by a higher educational institution to assimilate the ethos of National Education Policy 2020 (NEP 2020) in its pedagogy while striving for holistic development of students by adopting a participative and all-inclusive approach, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women inaugurated its Charitra Nirman Committee (Character Building Committee) here today. Heading the inaugural meeting of the committee, Principal Dr. Nisha Bhargava shared the vision behind the conception of this committee and its aim. Dr. Bhargava informed that in sync with the vision of new education system as outlined in NEP 2020, MCM has taken this step in the direction of gearing our custodians of future towards the demands of the 21st century. She informed that the activities under the aegis of this committee will provide a thrust to experiential learning and critical thinking



while striving to reinforce moral values and character-building skills as integral part of academics. She further added that besides ensuring holistic development of the students, the committee will undertake various programmes to instill in the students a sense of pride in our distinct national identity and to motivate them to carry forward the legacy of our rich cultural heritage, thereby contributing to the cause of nation-building. The members of the committee also shared their valuable inputs pertaining to incorporation of activities that will help in realisation of the objectives of this committee. The 21 member committee will function under the Chairpersonship of Dr. Nisha Bhargava. The advisory members include Dr. Savita Thapar, Registrar, Ms. Jyotsna, Head, Department of Home Science, Covid Suman Mahajan, Dean, Examinations, Covid Deepa, Dean, Cultural Committee, Covid Vandana Syal, Department of Computer Science and Applications, Covid Madhvi Bajaj, Head, Department of Economics, Dr. Archana Bakshi, Department of Economics and Ms. Vandita Kapoor, Department of Commerce. Dr. Seema Kanwar, Head, Sanskrit Department is the Convener and Dr. Amardeep Kaur, Department of Punjabi is Coordinator of the Committee.

एमसीएम ने किया चरित्र निर्माण समिति का गठन

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (टिन्सु)

उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा निर्देशों को आत्मसात करते हुए और सहभागी एवं सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एमसीएम डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति का गठन किया। समिति की उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने इसकी अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसके उद्देश्य को साझा करते हुए कहा कि यह कदम भावी पीढ़ी को हर प्रकार से सक्षम बनाने के लिए उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली गतिविधियाँ छात्राओं को गहन सोच प्रदान करने के साथ-साथ वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और चरित्र-निर्माण को भी एक अभिन्न अंग बनाकर छात्राओं का भविष्य सुदृढ़ करेगी।

प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव की अध्यक्षता में गठित इस 21 सदस्यीय समिति में सलाहकार सदस्यों में डॉ. सविता थापर, रजिस्ट्रार, ज्योत्सना, हेड-डिपार्टमेंट ऑफ होम साइंस, सुमन महाजन,

डीन एग्जामिनेशन, दीपा, डीन कल्चरल कमेटी, वंदना स्याल, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, माधवी बजाज, हेड-डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, डॉ. अर्चना बखशी, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स अर्थशास्त्र विभाग, वंदिता कपूर, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, डॉ. सीमा कंवर, हेड-डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत विभाग, चरित्र निर्माण कमेटी की कन्वीनर तथा डॉ. अमरदीप कौर, डिपार्टमेंट ऑफ पंजाबी एवं चरित्र निर्माण कमेटी की कोआर्डिनेटर शामिल हैं।

कमेटी के अन्य सदस्यों में दिशा गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, डॉ. लीतिका, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, डॉ. सुनैना जैन, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, डॉ. पल्लवी रानी, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, डॉ. सोनिका, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, आइटी प्रबंधन हेड आशीष मुद्गल, डॉ. प्रीति गंधी, डिपार्टमेंट ऑफ मास कम्युनिकेशन, डॉ. मीनाक्षी राणा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, सुकमा, डिपार्टमेंट ऑफ वीडियो रिपोर्टिंग, डॉ. अपरा शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश और रुचिका सिंह डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश शामिल हैं।

एमसीएम डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति का किया गठन

चंडीगढ़। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनइपी - 2020) के दिशानिर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर अपनी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अपनी तरह के एक अनूठे प्रयास में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति (कैरेक्टर बिल्डिंग कमेटी) का गठन किया। समिति की उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने इस समिति की अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसके उद्देश्य को साझा करते होते कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि के अनुरूप, एमसीएम डीएवी कॉलेज ने यह कदम 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारी भावी पीढ़ी को हर प्रकार से सक्षम बनाने के लिए उठाया है।

एमसीएम ने किया चरित्र निर्माण समिति का गठन

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर (राकेश): उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर अपनी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अपनी तरह के एक अनूठे प्रयास में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति का गठन किया। समिति के उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने इस समिति की अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसके उद्देश्य को साझा करते कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 में उल्लेखित नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि के अनुरूप, एमसीएम डीएवी कॉलेज ने यह कदम 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारी भावी पीढ़ी को हर प्रकार से सक्षम बनाने के लिए उठाया है। डॉ. भार्गव ने बताया कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के अलावा, समिति छात्रों को हमारी विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान में गौरव की भावना पैदा करने और उन्हें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करेगी।

MCM forms Charitra Nirman committee

CHANDIGARH: Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Sector 36-A, on Thursday, inaugurated its Charitra Nirman committee (character-building committee). The committee has 21 members and will work under the chairpersonship of principal Nisha Bhargava. She said that keeping in sync with the vision of the new education system as outlined in NEP 2020, MCM has taken this step in the direction of gearing the custodians of the future to meet the demands of the 21st century. **HTC**

एमसीएम ने किया चरित्र निर्माण समिति का गठन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 8 अक्टूबर। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनइपी - 2020) के दिशानिर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर अपनी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अपनी तरह के एक अनूठे प्रयास में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज ने चरित्र निर्माण समिति (कैरेक्टर बिल्डिंग कमेटी) का गठन किया। समिति की उद्घाटन बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने इस समिति की अवधारणा, दृष्टिकोण एवं इसके उद्देश्य को साझा करते होते कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि के अनुरूप, एमसीएम डीएवी कॉलेज ने

यह कदम 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारी भावी पीढ़ी को हर प्रकार से सक्षम बनाने के लिए उठाया है। उन्होंने कहा कि इस समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली गतिविधियाँ छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा और गहन सोच प्रदान करने के साथ साथ वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और चरित्र-निर्माण को भी एक अभिन्न अंग बनाकर छात्रों का भविष्य सुदृढ़ करेगी। डॉ. भार्गव ने बताया कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के अलावा, समिति छात्रों को हमारी विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान में गौरव की भावना पैदा करने और उन्हें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करेगी।

एमसीएम कॉलेज सेक्टर-36 ने किया चरित्र निर्माण समिति का गठन

चंडीगढ़। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनइपी-2020) के दिशानिर्देशों को आत्मसात करते हुए तथा सहभागी और सर्व-समावेशी दृष्टिकोण अपनाकर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एक अनूठे प्रयास में एमसीएम कॉलेज सेक्टर-36 ने चरित्र निर्माण समिति (कैरेक्टर बिल्डिंग कमेटी) का गठन किया। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव की अध्यक्षता में गठित इस 21 सदस्यीय समिति में सलाहकार सदस्यों में डॉ. सविता थापर, रजिस्ट्रार, ज्योत्सना, हेड- डिपार्टमेंट ऑफ होम साइंस, सुमन महाजन, डीन एग्जामिनेशन, दीपा, डीन कल्चरल कमेटी, वंदना स्याल, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, माधवी बजाज, हेड डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, डॉ. अर्चना बख्शी, अर्थशास्त्र विभाग तथा वंदिता कपूर, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, डॉ. सीमा कंवर, हेड डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत विभाग तथा कमेटी की कन्वीनर तथा डॉ. अमरदीप कौर, कोर्डिनेटर हैं।

*Report of Activities conducted by Character Building
Committee
(October 2020 – June 2021)*

1. Character Building Activity ‘Kudrat (Outstanding Classroom activity)’ - an online event based on ‘Gurbani’ as core reference

Date: 12 October 2020 to 19 October2020

Number of Participants: 63

Coordinator: Dr. Amardeep Kaur

Student Ambassador: Gurkamal Kaur, Gurpreet Kaur, Almajot Kaur, Kajal, Jashandeep Kaur, Anhad Bal, Parneet Kaur

Context: In order to realise the true essence of education and enhance the quality of learning, students of BA III organised a Character Building activity with Gurbani as core reference. The topic chosen was ‘Kudrat’. The scope of the activity was dynamic and poems and write ups on the topic were invited and these were adorned by the inclusion of artistic work.

Objective: To inculcate among the students a sense of curiosity, responsibility and self-discipline which are some of the major constituents of a good character

Practice: The class was divided into various groups under the leadership of students who acted as coordinators. Twenty five thought provoking poems, ten articles that delved deep into the concept of Kudrat, and thirteen pieces of art were received. One of the students added a touch of technology by making a video on the same. After the compilation of work, the coordinators briefed the class about the contributions of their respective teams.

Evidence of Success: The session was thoroughly enjoyed by all. The participants not only listened to the coordinators attentively but were infused with a sense of enthusiasm by appreciating their fellow classmates. Critical analysis of the poems, prose and paintings added to the beauty of the activity.



Activity at a Glance



2. 'Best Out of Waste', an online Competition exhibiting products made by using waste material and sharing the finished products with the needy

Date: 18 October to 21 October 2020

Number of Participants: 100

Coordinator: Dr. Seema Kanwar and Dr. Pallvi Rani

Student Ambassadors: Bhawna Rani, Aditi Joshi, Anchal Verma, Meha Verma, Shambhavi Sharma and Kajal

Context: The event was organised for the students to showcase their creativity by using waste material and making useful products from it.

Objectives:

- To use the waste material to make something useful
- To engage the students in creative pursuits

Practice: Over a hundred students participated in this activity. The participants used their imagination and creativity to make innovative things from waste material like broken bangles, empty plastics and glass bottles, old diyas, newspapers, broken mirrors etc.

Evidence of Success: This brightly coloured event helped the students to show their creativity by making best out of waste. The handmade items crafted by students from scrap/waste were gifted to the underprivileged people. The event was conducted in three rounds. In the first round, the students were asked to make something useful from scrap. In the second round, students gifted that item to the needy and to those who help us directly or indirectly in our day to day lives. For the last round, students were asked to share two photographs - one while making the item and second while giving away the same to the needy.



Activity at a Glance



**Mehr Chand Mahajan
DAV College for Women
Sector 36-A, Chandigarh (U.T.)**

Character Building Committee
organizes



THINK GREEN



ECO IDEA

BEST OF WASTE
COMPETITION

18-21 October 2020





This Festive Season let's spread happiness around ourselves by making someones day special. Making something usefull from scratch & gift to poor/needy people. Take pictures while doing this and share this picture with us on 9463999216.

Student Ambassador: Bhawna Rani, Aditi Joshi, Meha Anchal Verma, Shambani Kojal

Dr. Seema Katarw Contonem: Dr. Nisha Bhargava Chairperson & Prinsipal



एमसीएम में 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता



एमसीएम में 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' मुकाबले

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (जनसत्ता)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन की चरित्र निर्माण समिति ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। अपनी छात्राओं को शिक्षा के साथ साथ उनके चरित्र के विकास के अपने लक्ष्य को अग्रसर करते हुए, समिति ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी संकायों की छात्राओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता का उपयोग बेकार वस्तुओं जैसे कि टूटी हुई चुड़ियों, खाली प्लास्टिक और कांच की बोतलों, पुराने दीयों, अखबारों के दर्पण इत्यादि से नवीन वस्तुएं बनायीं। प्रतियोगिता में निर्मित वस्तुओं की प्रस्तुति, सामग्री का उपयोग, नवाचार इत्यादि की आधार पर आकलन किया गया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने, प्रतिभागियों द्वारा बनायीं गयी आकर्षक वस्तुएं गरीब और जरूरतमंद लोगों में वितरित की। समिति की इस पहल की सराहना करते हुए, प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कहा कि यह गतिविधि उपयोग रूप से समिति की दृष्टि को दर्शाती है।

एमसीएम में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता



चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन की चरित्र निर्माण समिति ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। अपनी छात्राओं को शिक्षा के साथ साथ उनके चरित्र के विकास के अपने लक्ष्य को अग्रसर करते हुए, समिति ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी संकायों की छात्राओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता का उपयोग बेकार वस्तुओं जैसे कि टूटी हुई चुड़ियों, खाली प्लास्टिक और कांच की बोतलों, पुराने दीयों, अखबारों के दर्पण इत्यादि से नवीन वस्तुएं बनायीं। प्रतियोगिता में निर्मित वस्तुओं की प्रस्तुति सामग्री का उपयोग नवाचार इत्यादि की आधार पर आकलन किया गया। छात्राओं में करुणाए सहायुक्ति और सहभाजन के गुणों को विकसित करने के लिए कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने प्रतिभागियों द्वारा बनायीं गयी आकर्षक वस्तुएं गरीब और जरूरतमंद लोगों में वितरित की।

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन की चरित्र निर्माण समिति ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। अपनी छात्राओं को शिक्षा के साथ साथ उनके चरित्र के विकास के अपने लक्ष्य को अग्रसर करते हुए, समिति ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी संकायों की छात्राओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता का उपयोग बेकार वस्तुओं जैसे कि टूटी हुई चुड़ियों, खाली प्लास्टिक और कांच की बोतलों, पुराने दीयों, अखबारों के दर्पण इत्यादि से नवीन वस्तुएं बनायीं। प्रतियोगिता में निर्मित वस्तुओं की प्रस्तुति, सामग्री का उपयोग, नवाचार इत्यादि की आधार पर आकलन किया गया। छात्राओं में करुणाए सहायुक्ति और सहभाजन के गुणों को विकसित करने के लिए कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने प्रतिभागियों द्वारा बनायीं गयी आकर्षक वस्तुएं गरीब और जरूरतमंद लोगों में वितरित की। चरित्र निर्माण समिति की इस पररासीय पहल की सराहना करते हुए, प्रिंसिपल डॉ निशा

एमसीएम डीएवी कॉलेज में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता आयोजित

विनेत कुमार, चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन की चरित्र निर्माण समिति ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। अपनी छात्राओं को शिक्षा के साथ साथ उनके चरित्र के विकास के अपने लक्ष्य को अग्रसर करते हुए, समिति ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी संकायों की छात्राओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता का उपयोग बेकार वस्तुओं जैसे कि टूटी हुई चुड़ियों, खाली प्लास्टिक और कांच की बोतलों, पुराने दीयों, अखबारों के दर्पण इत्यादि से नवीन वस्तुएं बनायीं। प्रतियोगिता में निर्मित वस्तुओं की प्रस्तुति सामग्री का उपयोग नवाचार इत्यादि की आधार पर आकलन किया गया। छात्राओं में करुणाए सहायुक्ति और सहभाजन के गुणों को विकसित करने के लिए कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने प्रतिभागियों द्वारा बनायीं गयी आकर्षक वस्तुएं गरीब और जरूरतमंद लोगों में वितरित की।

पुनः उपयोग, रीसायकल, रिड्यूस के बारे में वार्ड नंबर 3 की आम जनता को जागरूक किया

विनेत कुमार, चंडीगढ़। कक्षागत शिक्षा के अलावा, अक्सर चंडीगढ़ ट्रेडर्स एसोसिएशन सेक्टर -17 चंडीगढ़ और सराय का समूह उद्देश्य है, जब स्वच्छता सचिव ने सेक्टर- 17 का दौरा किया। अधिपति के दौरान 3 और मिट्टीयों पुनः उपयोग, रीसायकल, रिड्यूस के बारे में वार्ड नंबर 3 की आम जनता को जागरूक किया गया। इस अधिपति में पुनः वृद्धि, कचरे टन किए गए। अंत में अधिपति चंडीगढ़ ट्रेडर्स एसोसिएशन सेक्टर -17 के सदस्यों के पुनः सम्पर्क के साथ समाप्त हो गया। इस अवसर पर प्रमुख सराय अधिपति जेन, जेफ सिंह, जॉर्जर सिंह, अनीत सिंह, टैक कुमार, रोहन जैन, अरविंद सिंह, रवि कुमार, योगेश कुमार और अन्य थे।

3. An online competition SADBHAVNA: Reflecting upon the holy Ramayana for the ideals of life

Date: 22 October to 25 October 2020

Number of Participants: 100

Coordinator: Dr. Meenakshi Rana

Objectives:

- To create awareness among students regarding the values that the characters in Ramayana signify
- To provide opportunity to students to showcase their creativity by engaging in this activity

Context: ‘Sadbhavna’ means ‘goodwill’ or ‘noble intention’ and the main aim of this activity was to express the same. The students were required to make a short video describing their favorite character from the ‘Ramayana’. They had to elaborate on who their favorite character is, what are the values that the character symbolises, and why the student admires him/her in specific.

Practice: Many students participated in this activity and it was observed that the most popular among all figures were Lord Ram, Sita, Vibhishan and Bharat. However, the most appreciated and revered character was Lord Hanuman. Most students idolised him for his ardent devotion, loyalty, pragmatism, courage, and selflessness.

Evidence of Success: The entries from the respondents were aesthetically appealing and overwhelming. Visibly, the students put immense efforts in taking part in this activity. This task also helped in the rejuvenation of cultural spirit and highlighted the importance of traditional values that can be drawn from our ancient epics like the Ramayana. Even in contemporary times the ideals, morals, ethics and principles of our traditions upheld by legendary characters like Ram, Sita or Hanuman remain relevant and meaningful. And thus, ‘Sadbhavna’ successfully concluded with reflection on virtues of characters of Ramayana.

Activity at a Glance



Mehr Chand Mahajan DAV College For Women
Sector 36-A, Chandigarh

(Under the aegis of Character Building Committee)
presents

सद्भावना

Reflecting upon the Holy Ramayana for the Ideals of Life

Students are required to send a video of maximum 30 seconds describing their favorite character of Ramayana and the reason for it.

Instructions:

- Send the video at sadbhavnacm@gmail.com
- Only one entry is allowed per student
- Last date to submit the entry is October 24, 2020 by 5:00 PM

Student Coordinators:	Convener	Chairperson
Sauri (7814551260)	Dr. Seema Karwar	Dr. Nisha Bhargava
Pranamya (9115965500)	Coordinator	Principal
Simran (8427795959)	Dr. Minakshi Rana	
Arnaaz (9915809216)		

एमसीएम डीएवी कॉलेज में रामायण के पात्रों पर वीडियो प्रतियोगिता

चंडीगढ़। अपनी छात्राओं को हमारी पौराणिक कथाओं और समृद्ध संस्कृति के साथ जोड़कर उनमें जीवन मूल्यों एवं उनके नैतिक विकास के उद्देश्य से, मेहतर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने एक अनूठी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसका शीर्षक था 'सद्भावना'। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पवित्र रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र का वर्णन करते हुए एक छोटा वीडियो बनाना था। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों की 100 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने वीडियो में रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र के बारे में विस्तार से बताया और उन्होंने यह भी वर्णित किया कि वह चरित्र उन्हें क्यों पसंद है। प्रविष्टियों में से छात्राओं के बीच सबसे लोकप्रिय चरित्र भगवान राम, सीता माता, विभीषण, भरत और भगवान हनुमान के रूप में सामने आए, जिन्हें उन्होंने विभिन्न गुणों के लिए मूर्तिमान किया, जिनमें भक्ति, निष्ठा, व्यावहारिकता, साहस, निस्वार्थता आदि शामिल थे। इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में पारंपरिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जो हमारे प्राचीन ग्रंथ रामायण से लिया गया है। उन्होंने कहा वर्तमान समय में भी हमारी परंपराओं के आदर्श, सिद्धांत, आचार विचार प्रासंगिक और लोकप्रिय हैं।

रामायण के पात्रों पर वीडियो प्रतियोगिता

चंडीगढ़। अपनी छात्राओं को हमारी पौराणिक कथाओं और समृद्ध संस्कृति के साथ जोड़कर उनमें जीवन मूल्यों एवं उनके नैतिक विकास के उद्देश्य से, मेहतर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने एक अनूठी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसका शीर्षक था 'सद्भावना'। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पवित्र रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र का वर्णन करते हुए एक छोटा वीडियो बनाना था। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों की 100 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने वीडियो में रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र के बारे में विस्तार से बताया और उन्होंने यह भी वर्णित किया कि वह चरित्र उन्हें क्यों पसंद है। प्रविष्टियों में से छात्राओं के बीच सबसे लोकप्रिय चरित्र भगवान राम, सीता माता, विभीषण, भरत और भगवान हनुमान के रूप में सामने आए, जिन्हें उन्होंने विभिन्न गुणों के लिए मूर्तिमान किया, जिनमें भक्ति, निष्ठा, व्यावहारिकता, साहस, निस्वार्थता आदि शामिल थे। इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में पारंपरिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया जो हमारे प्राचीन ग्रंथ रामायण से लिया गया है। उन्होंने कहा वर्तमान समय में भी हमारी परंपराओं के आदर्श, सिद्धांत, आचार विचार प्रासंगिक और लोकप्रिय हैं।

रामायण के पात्रों की बताई विशेषताएं

चंडीगढ़। सेक्टर-36 स्थित एमसीएम डीएवी कॉलेज फार वुमन में वीरवार को चरित्र निर्माण समिति ने 'सद्भावना' शुरुआत की। इसके अंतर्गत एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने रामायण के पात्र बनकर वीडियो बनाई और अपने पसंदीदा चरित्र के बारे में विस्तार से बताया। इसमें विभिन्न संकायों की 100 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। वीडियो प्रविष्टियों में छात्राओं के बीच सबसे लोकप्रिय चरित्र राम, सीता, विभीषण, भरत और हनुमान के रहे। छात्राओं ने इनके विभिन्न गुणों भक्ति, निष्ठा, व्यावहारिकता, साहस, निस्वार्थता आदि के बारे में बताया। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि प्रतियोगिता से छात्राओं को पारंपरिक मूल्यों के महत्व के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने चरित्र निर्माण समिति और छात्राओं के प्रयास की सराहना की।



रामायण के पात्रों पर वीडियो प्रतियोगिता

चंडीगढ़, 29 अक्टूबर (दिन्य)

को 100 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने वीडियो में रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र के बारे में विस्तार से बताया और उन्होंने यह भी वर्णित किया कि वह चरित्र उन्हें क्यों पसंद है। प्रविष्टियों में से छात्राओं के बीच सबसे लोकप्रिय चरित्र भगवान राम, सीता माता, विभीषण, भरत और भगवान हनुमान के रूप में सामने आए। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में पारंपरिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

एमसीएम में रामायण के पात्रों पर वीडियो प्रतियोगिता

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। अपनी छात्राओं को हमारी पौराणिक कथाओं और समृद्ध संस्कृति के साथ जोड़कर उनमें जीवन मूल्यों एवं उनके नैतिक विकास के उद्देश्य से, मेहतर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने एक अनूठी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसका शीर्षक था 'सद्भावना'। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पवित्र रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र का वर्णन करते हुए एक छोटा वीडियो बनाना था।

प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों की 100 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने वीडियो में रामायण से अपने पसंदीदा चरित्र के बारे में विस्तार से बताया और उन्होंने यह भी वर्णित

किया कि वह चरित्र उन्हें क्यों पसंद है। प्रविष्टियों में से छात्राओं के बीच सबसे लोकप्रिय चरित्र भगवान राम, सीता माता, विभीषण, भरत और भगवान हनुमान के रूप में सामने आए, जिन्हें उन्होंने विभिन्न गुणों के लिए मूर्तिमान किया, जिनमें भक्ति, निष्ठा, व्यावहारिकता, साहस, निस्वार्थता आदि शामिल थे।

इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में पारंपरिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया जो हमारे प्राचीन ग्रंथ रामायण से लिया गया है। उन्होंने कहा वर्तमान समय में भी हमारी परंपराओं के आदर्श, सिद्धांत, आचार विचार प्रासंगिक और लोकप्रिय हैं।

4. Online Competitions ‘Go Eco Friendly Green Diwali Fest’

Date: 3 November 2020 to 7 November 2020

Number of Participants: 100

Coordinator: Dr. Seema Kanwar

Student Ambassadors: Bhawna Rani, Aditi Joshi, Meha Verma, Inderjot and Priyashi.

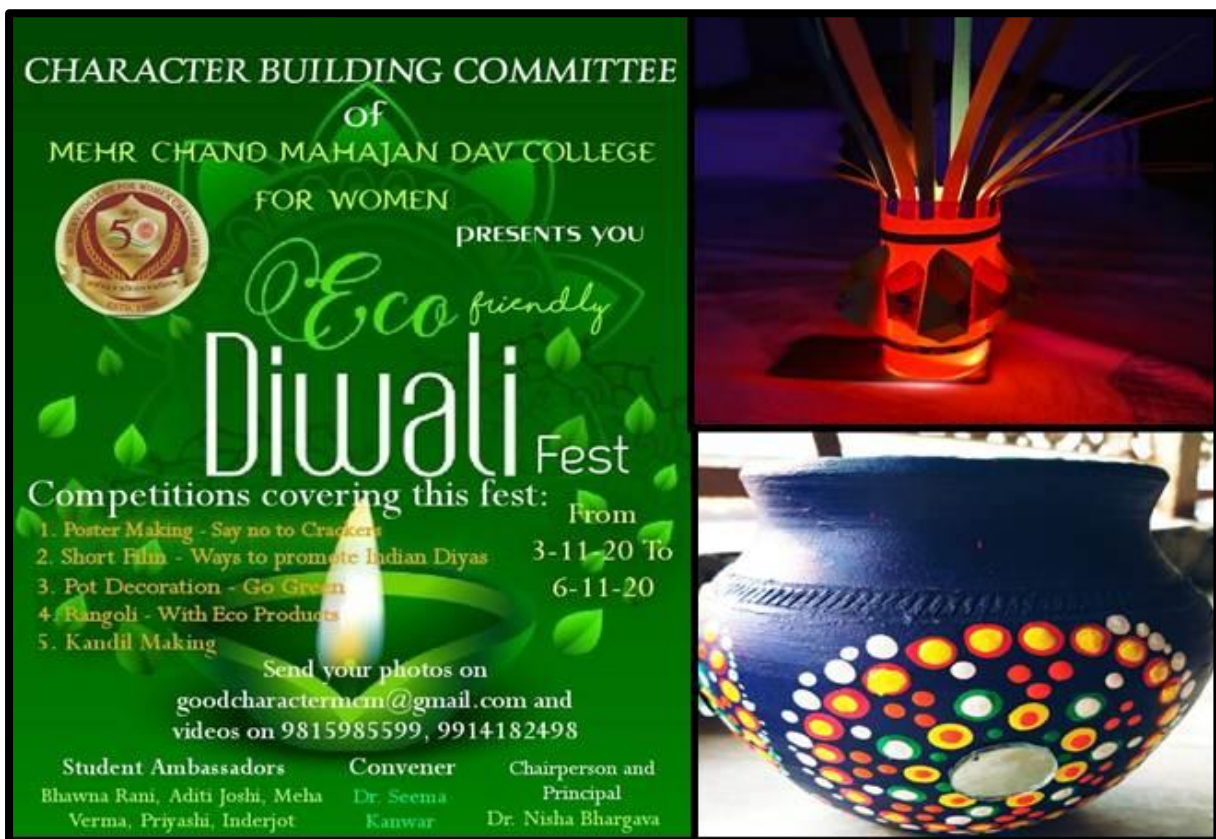
Context: Online competitions including Poster Making, Short Film, Pot Decoration, Rangoli Making and Kandil Making were organized.

Objective:

- To inspire the students and to make them understand the motive of celebrating eco friendly Diwali
- To give them a platform to showcase their creativity and imagination on Diwali

Practice: Participants had to send the pictures of the activity and video of the short film. Students could participate in any of the 2 categories. Nearly 100 entries were received.

Evidence of Success: Students from different streams participated in large numbers in all the competitions. Nearly 100 entries were received. Students tried their hand in various activities and spread the message of Eco friendly Diwali.



CHARACTER BUILDING COMMITTEE
of
MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE
FOR WOMEN
PRESENTS YOU

Eco friendly
Diwali Fest

Competitions covering this fest:

1. Poster Making - Say no to Crackers	From
2. Short Film - Ways to promote Indian Diyas	3-11-20 To
3. Pot Decoration - Go Green	6-11-20
4. Rangoli - With Eco Products	
5. Kandil Making	

Send your photos on
goodcharactermcm@gmail.com and
videos on 9815985599, 9914182498

Student Ambassadors Bhawna Rani, Aditi Joshi, Meha Verma, Priyashi, Inderjot	Convener Dr. Seema Kanwar	Chairperson and Principal Dr. Nisha Bhargava
---	--	--

चरित्र निर्माण समिति ने गो इको ग्रीन दिवाली फेस्ट आयोजित किया

प्रज्ञामार्ग न्यूज़

चंडीगढ़। उत्सव की भावना को फिर से जागृत करने और महागरी द्वारा लगे गए निराशा के अंधेरे को दूर करने के लिए, मेहर बंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन को चरित्र निर्माण समिति ने गो इको ग्रीन दिवाली फेस्ट का आयोजन किया। समिति ने इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। से नो टू क्रैकर्स विषय पर पोस्टर मेकिंग, वेज टू प्रमोट इंडियन दिवाज विषय पर शॉर्ट फिल्म, गो ग्रीन विषय पर पॉट डेकोरेशन, रंगोली मेकिंग विद ईको प्रोडक्ट्स तथा कंटील मेकिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



पुरस्कार जीता। रंगोली में अर्पिता जोशी ने पहला, श्वेता और मुनीत को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कंटील मेकिंग में सिरमौर मालवीका को पहला, अनुष्का और इन्दरजोत को क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार मिला। वेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए नीरज सगवाल को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए।

सर्वश्रेष्ठ विजेता प्रतियोगिताओं को ई-प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। पोस्टर मेकिंग में हर्षिता भारती ने पहला, भावना रानी तथा वसुधा ठाकुर को क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान मिला। अर्पिता जोशी को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया। पॉट डेकोरेशन में देवप्रिया ने पहला, नेहा गोपाल तथा शरदा मिश्र को क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार जीता। श्वेता ने इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ

MCM celebrates Diwali eco-friendly way

Chandigarh: To rekindle the spirit of celebration and dispel the darkness of dependency brought about by the pandemic, the Charitra Nirman Committee of Mehr Chand Mahajan DAV College For Women organised 'Go Eco: Green Diwali Fest'. With a resolve to spread the message of turning to eco-friendly celebrations this Diwali and illuminate the world by doing something for the mankind, the committee conducted various competitions as part of the fest. Overwhelming and enthusiastic participation of students was witnessed in Poster Making on 'Say No to Crackers', Short Film on 'Ways to Promote Indian Diyas', Pot Decoration on 'Go Green', Rangoli Making with eco products and Kandli Making. The entries not only reflected the participants' exemplary creativity but also showcased their thoughtfulness for and sensitivity towards the cause of environmental conservation. The best winning entries were awarded e-certificates. Principal Dr. Nisha Bhargava expressed appreciation for this unique initiative of the Charitra Nirman Committee that will be helpful in grooming conscious citizens with a strong character. She added that through this endeavour, the students learn that even during the most trying times, we must celebrate and keep our spirits high for all that is still good and worth celebrating in this world.



एमसीएम कॉलेज में इको-फ्रेंडली दिवाली फेस्ट का आयोजन

चंडीगढ़। उत्सव की भावना को फिर से जागृत करने और महागरी द्वारा लाए गए निराशा के अंधेरे को दूर करने के लिए एमसीएम कॉलेज फॉर वूमैन सेक्टर-36 की चरित्र निर्माण समिति ने 'गो इको: ग्रीन दिवाली फेस्ट' का आयोजन किया। दिवाली उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल मनाने का संदेश देने एवं समाज के उत्थान के संकल्प के उद्देश्य साथ, चरित्र निर्माण समिति ने इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। 'से नो टू क्रैकर्स' विषय पर पोस्टर मेकिंग, वेज टू प्रमोट इंडियन दिवाज' विषय पर शॉर्ट फिल्म, 'गो ग्रीन' विषय पर पॉट डेकोरेशन, रंगोली मेकिंग विद ईको प्रोडक्ट्स तथा कंटील मेकिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिताओं को अनुकरणीय रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिताओं को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए।

एमसीएम में ईको-फ्रेंडली दिवाली का आयोजन



पोस्टर से दिया संदेश: सौजन्य: वॉलेज जास, चंडीगढ़। एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन-36 की चरित्र निर्माण समिति ने गो इको ग्रीन दिवाली फेस्ट का आयोजन किया। दिवाली उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल मनाने का संदेश देने एवं समाज के उत्थान के संकल्प के उद्देश्य साथ, चरित्र निर्माण समिति ने इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। से नो टू क्रैकर्स विषय पर पोस्टर मेकिंग, टू प्रमोट इंडियन दीवाज विषय पर शॉर्ट फिल्म, गो ग्रीन विषय पर पॉट डेकोरेशन, रंगोली मेकिंग विद ईको प्रोडक्ट्स तथा कंटील मेकिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एमसीएम में ईको-फ्रेंडली दिवाली की रही धूम

चंडीगढ़, 16 नवंबर (रविवार): उत्सव की भावना को फिर से जागृत करने और महागरी द्वारा लाए गए निराशा के अंधेरे को दूर करने के लिए मेहर बंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन को चरित्र निर्माण समिति ने गो इको ग्रीन दिवाली फेस्ट का आयोजन किया। दिवाली उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल मनाने का संदेश देने एवं समाज के उत्थान के संकल्प के उद्देश्य साथ, चरित्र निर्माण समिति ने इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में हर्षिता भारती ने पहला, भावना रानी तथा वसुधा ठाकुर को क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान मिला। अर्पिता जोशी को सर्वश्रेष्ठ

पुरस्कार जीता। रंगोली में अर्पिता जोशी ने पहला, श्वेता और मुनीत को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कंटील मेकिंग में सिरमौर मालवीका को पहला, अनुष्का और इन्दरजोत को क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार मिला। वेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए नीरज सगवाल को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए।

एमसीएम में इको-फ्रेंडली दिवाली का आयोजन

चंडीगढ़ (विशेषाचार्य): उत्सव की भावना को फिर से जागृत करने और महागरी द्वारा लगे गए निराशा के अंधेरे को दूर करने के लिए, मेहर बंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन की चरित्र निर्माण समिति ने गो इको ग्रीन दिवाली फेस्ट का आयोजन किया। दिवाली उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल मनाने का संदेश देने एवं समाज के उत्थान के संकल्प के उद्देश्य साथ, चरित्र निर्माण समिति ने इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। से नो टू क्रैकर्स विषय पर पोस्टर मेकिंग, वेज टू प्रमोट इंडियन दिवाज विषय पर शॉर्ट फिल्म, गो ग्रीन विषय पर पॉट डेकोरेशन, रंगोली मेकिंग विद ईको प्रोडक्ट्स तथा कंटील मेकिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिताओं को अनुकरणीय रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिताओं को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए। श्वेता ने इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ



पुरस्कार जीता। रंगोली में अर्पिता जोशी ने पहला, श्वेता और मुनीत को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कंटील मेकिंग में सिरमौर मालवीका को पहला, अनुष्का और इन्दरजोत को क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार मिला। वेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए नीरज सगवाल को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए। श्वेता ने इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ

पुरस्कार जीता। रंगोली में अर्पिता जोशी ने पहला, श्वेता और मुनीत को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कंटील मेकिंग में सिरमौर मालवीका को पहला, अनुष्का और इन्दरजोत को क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार मिला। वेस्ट शॉर्ट फिल्म के लिए नीरज सगवाल को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ निता भागीव ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से छात्राओं को संदेश दिया गया है कि कठिन समय के दौरान भी धैर्य, साहस और हिम्मत से काम लेकर अपने मनोकाम को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए। श्वेता ने इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ

का सह

5. 'Resilience' - An Online Poetry Recitation Event

Date: 7 November 2020

Number of Participants: 23

Coordinators: Dr. Sunaina Jain and Dr. Aparna Sharma

Student Ambassadors: Srizen, Meenal, Radhika, Martina, Muskan, Mansi, Bhavya and Vineeta

Context: The event was organized to encourage everyone to come forward and recite a poem on the virtue of resilience.

Objective: It aimed at making students imbibe various life skills including one of the most important values of life called 'Resilience'. During this lockdown many of us dealt with a lot of emotional, psychological and physical problems. While some coped up with challenges with a lot of positivity and optimism, some struggled to regain self-efficacy and confidence. As the popular adage goes, "our mind can be our best friend or our enemy", it is pertinent to keep the virtues of hope and optimism alive in us as we try to balance life on all fronts in these testing times.

Practice: It was well attended by over a hundred students. There were 23 participants who recited their poems including one by Dr. Sunaina Jain which inspired everyone to rise and shine. Worthy Principal of the College, Dr. Nisha Bhargava also recited a self-composed poem. She motivated the participants to embrace life in all its hues and remain ever resilient in the face of all the challenges. The poems recited by the students were a celebration of life and motivated everyone to take challenges with a brave face.

Evidence of Success : The students felt encouraged after listening to the poem recitals and also gained confidence by participating in the event. Events like this certainly go a long way in nurturing the character of the youth by inspiring resilience and creativity.



Activity at a Glance

CHARACTER BUILDING COMMITTEE OF MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN INVITES YOUR ENTRIES FOR POEM RECITATION ON THE TOPIC

Resilience

7TH NOVEMBER, 2020

- * 11:45 AM - 12:30 PM (SECTION C)
- * 2:00 PM - 2:45 PM (SECTION F)

VENUE: ON YOUR DEVICE SCREENS!

DR. NISHA BHARGAVA
-CHAIRPERSON-

DR. SEEMA KANWAR
-CONVENER-

DR. SUNAINA JAIN
DR. APABA SHARMA
-COORDINATORS-

STUDENT COORDINATORS FOR SECTION F (BA III)	STUDENT COORDINATORS FOR SECTION C (BA III)
Muskan	Strizen
Mansi	Meenal
Bhavya	Radhika
Vineeta	Martina



चंडीगढ़। अपनी छात्राओं में जीवन मूल्यों की नींव को मजबूत करने के लिए मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने रेजिलिएंस शीर्षक पर एक ऑनलाइन कविता पाठ सत्र का आयोजन किया। शीर्षक के अनुरूप छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता के लिए आवश्यक जीवन कौशल से समृद्ध करने के उद्देश्य से आयोजित इस सत्र में सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया तथा 23 प्रतिभागियों ने थीम पर अपनी रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कविताओं को प्रस्तुत किया। इस आयोजन में प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने भी खूबसूरत शब्दों में पिरोयी हुए स्वरचित कविता में जीवन का सार प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उनकी कविता जिस रास्ते से गुजरा गुलजार कर गया वो, कांटों से जिसने आशियाँ अपना बना लिया ने प्रतिभागियों को जीवन की कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। चरित्र निर्माण समिति की इस पहल की सराहना करते हुए, डॉ. भार्गव ने कहा कि इस तरह के सरल प्रयासों के माध्यम से कॉलेज अपनी छात्राओं में चारित्रिक, नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल को विकसित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए सदैव प्रयासरत है। रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त एक मंच होने के अलावा, इस आयोजन ने प्रतिभागियों की छुपी हुई प्रतिभा को प्रकट कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

एमसीएम डीएवी कॉलेज में ऑनलाइन काव्यपाठ सत्र का आयोजन

चंडीगढ़। अपनी छात्राओं में जीवन मूल्यों की नींव को मजबूत करने के लिए मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने रेजिलिएंस शीर्षक पर एक ऑनलाइन कविता पाठ सत्र का आयोजन किया। शीर्षक के अनुरूप छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता के लिए आवश्यक जीवन कौशल से समृद्ध करने के उद्देश्य से आयोजित इस सत्र में सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया तथा 23 प्रतिभागियों ने थीम पर अपनी रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कविताओं को प्रस्तुत किया। इस आयोजन में प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने भी खूबसूरत शब्दों में पिरोयी हुए स्वरचित कविता में जीवन का सार प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

एमसीएम डीएवी कॉलेज में ऑनलाइन काव्यपाठ

शिजी संवाददाता - चंडीगढ़

कॉलेज की छात्राओं में जीवन मूल्यों की नींव को मजबूत करने के लिए एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन सेक्टर-36 ने ऑनलाइन काव्यपाठ का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने रेजिलिएंस शीर्षक पर एक ऑनलाइन कविता पाठ सत्र का आयोजन किया। शीर्षक के अनुरूप छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के बारे में बताया गया। सत्र में सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया और 23 प्रतिभागियों ने थीम पर अपनी रचनात्मक और प्रेरणादायक कविताओं को प्रस्तुत

किया। इस आयोजन में प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने भी स्वरचित कविता में जीवन का सार प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उनकी कविता जिस रास्ते से गुजरा गुलजार कर गया वो, कांटों से जिसने आशियाँ अपना बना लियाए ने प्रतिभागियों को जीवन की कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। चरित्र निर्माण समिति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के सरल प्रयासों के माध्यम से कॉलेज छात्राओं में चारित्रिक नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल को विकसित करने में योगदान करता है।

एमसीएम डीएवी कॉलेज में ऑनलाइन काव्यपाठ

चंडीगढ़। सेक्टर-36 स्थित एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वुमन की चरित्र निर्माण समिति ने ऑनलाइन काव्यपाठ का आयोजन किया। इसमें लगभग सौ छात्राओं ने हिस्सा लिया। वहीं 23 प्रतिभागियों ने कविताएं सुनाईं। प्राचार्य प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने इस दौरान स्वरचित कविता में जीवन का सार प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उनकी कविता.. जिस रास्ते से गुजरा गुलजार कर गया वो, कांटों से जिसने आशियाँ अपना बना लिया.. ने प्रतिभागियों को जीवन की कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहने के लिए प्रेरित किया।



6. Powerpoint Presentation Competition (मुश्किल घड़ी में मधुर यादें)

Date: 19 November to 22 November 2020

Number of Participants: 8

Coordinator: Dr. Seema Kanwar

Context: The lockdown period was a difficult period for everyone. It affected everyone's life in one or another way. Students were encouraged to utilise this time by engaging in creative activities to keep negativity at bay. In this activity, the children showcased their talent and used their time fruitfully and kept themselves creatively engaged.

Practice: Participants were required to make a PowerPoint Presentation along with a voice note. Guidelines were given to participants that the PowerPoint Presentation must contain the memories they created in the Lockdown.

Evidence of Success: Three PowerPoint Presentations were selected and the winners were awarded e- Certificates. Students from different streams took part in this competition. Participants showcased their talent by using creativity as a tool to capture lockdown memories.

Activity at a Glance



7. 'Aparajita' An Online Event based on the Life of Inspiring Personalities

Date of the activity : 21 November 2021

Number of participants : 100

Coordinator: S.lt. Anju Lata

Context : The event was organized to share various examples of women empowerment and to inculcate the feeling among girls that they are no less than boys.

Objectives :

- To encourage the students to get rid of the barriers in their minds regarding their limitations and strive towards achieving the goals
- To acquaint the students with the lives and achievements of great women who were achievers in their respective fields

Practice : The NCC Cadets made PowerPoint presentations on inspiring personalities and shared with participants. More than 100 students attended the event and 6 presentations by 12 NCC Naval Cadets were made on inspiring lives of women like Lakshmi Bai, Arunima Sinha, Mother Teresa, Saalumrada Thimmakka, Harita Deol and Kalpana Chawla. The event culminated with an inspiring poem recitation by Dr. Seema Kanwar titled 'Naari' wherein she highlighted the multifarious roles essayed by a woman in her lifetime.

Evidence of Success : Students were inspired by the resilience and courage of all the women and felt that sky's the limit for anyone who moves ahead with conviction.

Activity at a Glance

कार्यक्रम अपराजिता-ए सेल्यूट टू वीमेनहुड आयोजित

प्रेरक महिलाओं के गुणों का अनुकरण करने के लिए स्वयंसेवकों ने किया प्रेरित

चंडीगढ़। एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन के एनसीसी (नेवल विंग) ने चारित्र निर्माण समिति के तत्वाधान में एक ऑनलाइन कार्यक्रम अपराजिता- ए सेल्यूट टू वीमेनहुड आयोजित किया। यह आयोजन भारत की प्रेरक महिलाओं को समर्पित था, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना जीवन सामाजिक उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित किया। आयोजन में एनसीसी (नेवल विंग) के सभी कैडेटों के साथ 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कैडेटों ने सती लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला, सालुमारदा थिम्मक्का, हरिता देओल, अरुणिमा सिन्हा और मदर टेरेसा के प्रेरणादायक जीवन पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं तथा इन प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को इन महान महिलाओं के गुणों का अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज की चारित्र निर्माण समिति ऐसे आयोजन करती रही है, जिसका उद्देश्य छात्राओं में जीवन मूल्यों को स्थापित कर एक मजबूत चरित्र का निर्माण करना है।

प्रेरक महिलाओं के गुणों का अनुकरण करने के लिए स्वयंसेवकों ने किया प्रेरित

चंडीगढ़। एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमन- 36 के एनसीसी नेवल विंग ने चारित्र निर्माण समिति के तत्वाधान में आयोजन किया। यह कार्यक्रम देश की प्रेरक महिलाओं को समर्पित था जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना जीवन सामाजिक उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित किया। आयोजन में एनसीसी स्वयंसेवकों के साथ 100 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों ने सती लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला, सालुमारदा थिम्मक्का, हरिता देओल, अरुणिमा सिन्हा और मदर टेरेसा के जीवन पर प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को महिलाओं के जीवन संघर्ष के बारे में बताया और उनके गुणों का अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने इस प्रयत्न की सराहना की।

8. Online ‘Ice Breaker Activity: How well do you know your classmates?’

Date- 21 November 2020

Number of Participants: 40

Coordinator: Dr. Arshdeep

Student Ambassadors: Inderjot, Sonali, Aru

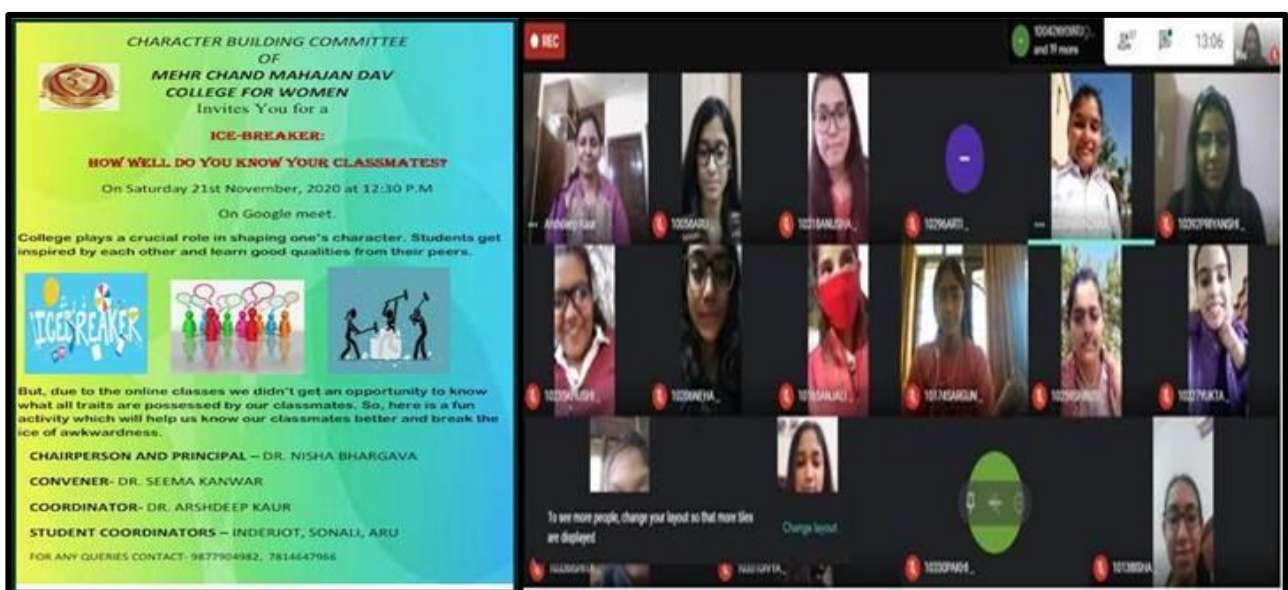
Context: The activity was an online class activity in which students voted for the nominees in several categories like Life of WhatsApp Group, Miss Funny Bones and many more.

Objectives:

- To foster a spirit of camaraderie among students
- To acquaint them with their classmates

Practice: Students engaged in interaction with one another and voted for the nominees in various categories just to get to know one another well. The activity was fun filled and in the process the students got to know their classmates.

Evidence of Success: Students participated actively and the winners expressed their gratitude to their classmates. The session concluded with a class photograph. The students interacted with one another very well. A feedback form was circulated in the class group asking for feedback and suggestions for future activities.



9. “ICONIC INTEGRITY – EXCERPTS IN PROFESSIONALISM”, an online event showcasing the theme with Powerpoint Presentations

Date: 23 November 2020

Number of Participants: 50

Coordinator: Ms. Vandita Kapoor

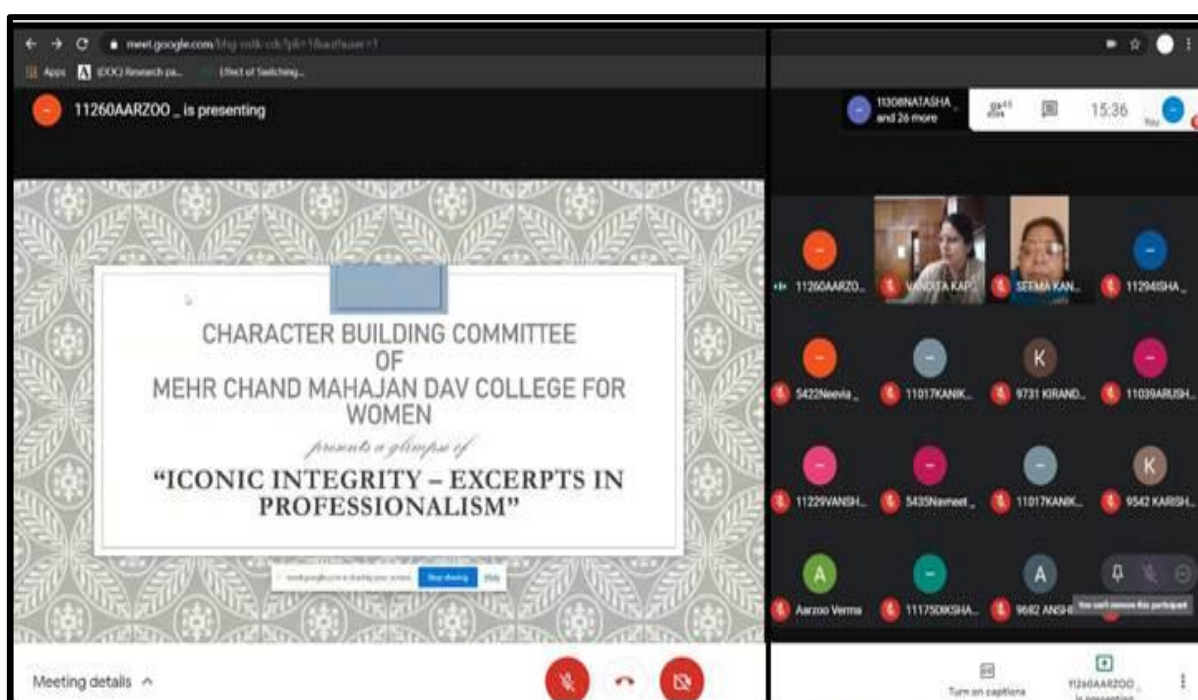
Student Ambassadors: Muskan Ahuja, Gurleen Kaur, Raashi Verma, Aarzo Verma, Kanika Gujral, Yadi, Rhythm Garg, Isha

Context: Integrity is a crucial constituent for a strong character. The activity was organized keeping in view the need and importance of inculcating the same.

Objective: The activity was conducted to help students imbibe the spirit of integrity which goes a long way in grooming their personality.

Practice: As many as 45 students of B.Sc. III (Medical) participated enthusiastically in the event and shared their experiences. PPTs were presented during the online event. The presentations aimed to encourage students to strive forward and not give up till the goal is achieved.

Evidence of Success: The participants took keen interest in the PPTs presented and provided their feedback by filling the feedback form. The convenor, Dr. Seema Kanwar, concluded with a thought provoking message that we should strive to climb the ladder of personal evolution and upliftment.



Activity at a Glance



10. Poster Making Competition on INTERNATIONAL DAY OF PERSONS WITH DISABILITIES

Date: 25 November to 1 December 2020

Number of participants: 10

Coordinator: Dr. Pallavi Rani

Context: To mark the International Day of People with Disabilities, an activity was conducted for the students. In this activity, the children exhibited their talent in making posters and donated the things to the disabled persons.

Objective: The objective was to sensitize students towards people with Disabilities, and steer them in the direction of becoming responsible and caring citizens of a civil society.

Practice: Participants made posters and wrote messages for the disabled. Also, students were asked to donate stuff for winter use and share pictures while engaging in this activity. E-Certificates were mailed to the winners only. Students showed immense creativity while making posters. Students from different streams took part. A total of ten entries were received through which participants showcased their talent. Society at large benefitted from the donations made by the participants.

Evidence of Success: The students showed keen enthusiasm for the activity which reflected their spirit of empathy and compassion.



Activity at a Glance



Character Building Committee Of MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN CHANDIGARH

Organizes



3 December

Persons with Disabilities

ACTIVITY INCLUDES:-

- 1) Make posters & write some messages for them.
- 2) Donate for winter use & send pictures while doing this activity

E Certificates will be emailed to winners only

Email at:
goodcharactermcm@gmail.com

For more queries contact:

97295 71221
8146666577
94639 99216

Last date of Submission:-
1st December, 2020

Student Ambassadors:

Yavantika
Aishani Kharbanda
Inderjot
Bhawna Rani
Aditi Joshi

Coordinator:
Dr. Pallvi Rani

Convenor:
Dr. Seema Kanwar

Chairperson & Principal:
Dr. Nisha Bhargava

Dates: 25th Nov - 1st Dec

एमसीएम में इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी



कॉलेज की एनएस्एस इकाइयों ने डिसेबिलिटी एंड पॉजिटिविटी इन लाइफ विषय पर राष्ट्रीय उच्चस्तरीय शिक्षा अभियान (रक्षा) प्रायोजित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री जे.एस. जयारा, प्रिंसिपल, इन्स्टीट्यूट ऑफ द ब्रह्मदंड, चंडीगढ़ इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। अपने प्रमुख संबोधन में श्री जयारा ने कहा कि विकलांगता अभिशाप नहीं है, बल्कि एक चुनौती है जिसे समाजसत्क दृष्टिकोण अपनाकर दूर किया जा सकता है। विकलांगों के प्रति व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर देते हुए, श्री जयारा ने कहा कि पीठबन्धु (पर्सन्स विद डिसेबिलिटी) को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए, उन्हें अनुकूल वातावरण में लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करना महत्वपूर्ण है जो उनकी क्षमता निर्माण के साथ उन्हें सक्षम बनाये। कॉलेज की एनएस्एस इकाइयों ने सोम्य इन्स्टीट्यूट के विद्यार्थियों को फोटो, फ्लिजियोथेरेपी बैट, चोकलेट मोल्ड्स आदि वस्तुएं साझा कीं। कॉलेज के इकल ऑपेनसिटी सेल ने इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग, सलेगन राइटिंग तथा विलेजिंग केक बेंटर - टुवार्ड्स एन इन्क्लूसिव, एमसीएम एंड सरस्टेनबल पीसट कोविड - 19 क्वेंड वाय, फॉर एन्ड विद पर्सन्स विद डिसेबिलिटी शीर्षक पर योर स्टोरी ऑफ कोविड - 19 रिस्पांस गतिविधि का आयोजन किया। इन गतिविधियों में छात्राओं ने जागरूकता भाग लिया एवं पीठबन्धु की लक्ष्मी, मुठ्ठी और चुनौतियों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए, रचनात्मक प्रतियोगिता भी की। कॉलेज की चारित्र निर्माण समिति ने पोस्टर मेकिंग और जेनेरेशन ड्राइव का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने पर्सन्स विद डिसेबिलिटी शीर्षक पर पोस्टर बनाए एवं विकलांग व्यक्तियों को लिए विचारशील, ट्रेक सपोर्ट लिस्ट, विद्यार्थियों ने व्यक्ति एवं विकलांग व्यक्तियों को जो संदर्भों के कथने भी दिये। सभी गतिविधियों के प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने जोर देकर कहा कि इस दिवस को मनावने का उद्देश्य विकलांगता से संबंधित मुठ्ठी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और हमारे विद्यार्थियों को विकलांग व्यक्तियों की भावना के लिए जागरूक करना है। ऑनलाइन ई-गतिविधियों की मोडिरेटरल स्पैकर, सुधी प्रतिभा देवेश्वर का जो सभी भागियों को सरासरीगुणोंक मार कर आकरसोई गतिविधियों में पहुंचाने वाले चार्ले स्पेसली एनबल भारतीय हैं, का उद्घरण देते हुए, डॉ. भार्गव ने कहा कि उनकी सफलता की कहानी इस सभ्य पर जोर देती है कि जो व्यक्ति एक मानव इच्छाशक्ति एवं अपने समय को प्राप्त करने के लिए दुहाते हैं प्रयास करता है किसी व्यक्ति को रोकना नहीं जा सकता है, उसे निर्मित ही सफलता मिलती है। डॉ. भार्गव ने विद्यार्थियों को अपनी मन की शक्ति को जताने और इस दुनिया को विशेष रूप से विकलांग लोगों सहित सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रेरित किया।

चंडीगढ़ (हिमप्रभ न्यू)। इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी के उद्घाटन में मेहर चंद महाजन कॉलेज ऑफ वूमन की एनएस्एस इकाइयों, इकल ऑपेनसिटी सेल और चारित्र निर्माण समिति के संयोजन में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी कार्यक्रम के जरिये किया जागरूक

चंडीगढ़। इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी के उद्घाटन में एमसीएम की एनएस्एस इकाइयों, इकल ऑपेनसिटी सेल और चारित्र निर्माण समिति के संयोजन में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की एनएस्एस इकाइयों ने 'डिसेबिलिटी एंड पॉजिटिविटी इन लाइफ' विषय पर राष्ट्रीय उच्चस्तरीय शिक्षा अभियान (रक्षा) प्रायोजित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जेएस जयारा, प्रिंसिपल, इन्स्टीट्यूट ऑफ द ब्रह्मदंड, चंडीगढ़ इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस दौरान जयारा ने कहा कि विकलांगता अभिशाप नहीं है, बल्कि एक चुनौती है जिसे समाजसत्क दृष्टिकोण अपनाकर दूर किया जा सकता है। विकलांगों के प्रति व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर देते हुए जयारा ने कहा कि पीठबन्धु (पर्सन्स विद डिसेबिलिटी) को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए, उन्हें अनुकूल वातावरण में लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करना महत्वपूर्ण है जो उनकी क्षमता निर्माण के साथ उन्हें सक्षम बनाये। कॉलेज की एनएस्एस इकाइयों ने सोम्य इन्स्टीट्यूट के विद्यार्थियों को फोटो, फ्लिजियोथेरेपी बैट, चोकलेट मोल्ड्स आदि वस्तुएं साझा कीं। कॉलेज के इकल ऑपेनसिटी सेल ने इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग, सलेगन राइटिंग तथा 'विलेजिंग केक बेंटर - टुवार्ड्स एन इन्क्लूसिव, एमसीएम एंड सरस्टेनबल पीसट कोविड - 19 क्वेंड वाय, फॉर एन्ड विद पर्सन्स विद डिसेबिलिटी' शीर्षक पर योर स्टोरी ऑफ कोविड - 19 रिस्पांस गतिविधि का आयोजन किया। इन गतिविधियों में छात्राओं ने जागरूकता भाग लिया एवं पीठबन्धु की लक्ष्मी, मुठ्ठी और चुनौतियों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए, रचनात्मक प्रतियोगिता भी की। कॉलेज की चारित्र निर्माण समिति ने पोस्टर मेकिंग और जेनेरेशन ड्राइव का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने पर्सन्स विद डिसेबिलिटी शीर्षक पर पोस्टर बनाए एवं विकलांग व्यक्तियों को लिए विचारशील, ट्रेक सपोर्ट लिस्ट, विद्यार्थियों ने व्यक्ति एवं विकलांग व्यक्तियों को जो संदर्भों के कथने भी दिये। सभी गतिविधियों के प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने जोर देकर कहा कि इस दिवस को मनावने का उद्देश्य विकलांगता से संबंधित मुठ्ठी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और हमारे विद्यार्थियों को विकलांग व्यक्तियों की भावना के लिए जागरूक करना है।



11. Name of the activity: An Online Short Story telling activity on the theme “Valuable lessons learned from failures”

Date: 28 November 2020

Number of Participants: 45

Coordinator: Dr. Neetu

Student Ambassadors: Ms. Parima Jaswal & Ms. Shreiya Sharma

Context: We all face setbacks at some point in our lives. Sharing our failures or disappointments with others helps not only boosts our self-confidence but also provides us the courage to move ahead positively. This event was conceptualized to bolster self-esteem and resilience of the students.

Objective: The aim was to provide a sense of hope and positivity to the students. They realized that everything happens for a reason and there is always a lesson to be learned from any situation.

Practice: Students, without having the fear of being judged, shared their experiences of failures uninhibitedly and also the lessons they learnt during the course of failures. They also shared how these failures actually propelled them to learn lessons and take everything in their stride.

Evidence of Success: Students inspired each other not to give up or let failures affect their lives negatively. All the participants were quite elated with this wonderful interactive session and enjoyed it thoroughly.

Activity at a Glance

एमसीएम में शार्ट स्टोरी टेलिंग गतिविधि का आयोजन

चंडीगढ़ (विचार प्रवाह)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज में शॉर्ट स्टोरी टेलिंग गतिविधि का आयोजन किया। आयोजन में 45 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए।

इस गतिविधि के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिखने, असफलताओं से सीखने और संभावित भविष्य की असफलताओं से निपटने के लिए उत्सुक बनाने का एक साहसिक मंच प्रदान करना था। इस ऑनलाइन गतिविधि के दौरान अपने स्वयं के लिखे असफलताओं से सीखें हुए पाठों को साझा करें और और सकारात्मकता को प्रदान करते हुए, प्रतिभागियों ने ने एक

दूसरे को प्रेरित किया कि वे हार न मानें या असफलताओं से अपने जीवन में नकारात्मकता न लाएं, बल्कि उनसे सबक लेकर भविष्य को चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को बहानों से मुक्त करना सीखा।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निखा भार्गव ने कहा कि इस मंचे अपने जीवन के किस्से न किस्से मोड़ या असफलताओं का सामना करते हैं और अपने असफलताओं या

सिखाओं को दूसरों के साथ साझा करने से न केवल अत्यधिक बढ़ती है बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का सहायक भी मिलता है।

जुलैने कहा कि चॉरि निखने संभवित ने इस प्रक्रिये पलत के माध्यम से प्रतिभागियों में जीवन के प्रति सलाह करने उन्हें सकारात्मकता का गुण प्रदान करने के आने तब को दिना में एक और साहसिक करें कि है।



एमसीएम में शार्ट स्टोरी टेलिंग गतिविधि का किया आयोजन

चंडीगढ़, (देवभूमि मिरर)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वुमैन को चॉरि निर्माण समिति ने असफलताओं से सीखें गए सबक विषय पर एक ऑनलाइन शॉर्ट स्टोरी टेलिंग गतिविधि का आयोजन किया। आयोजन में 45 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। इस गतिविधि के आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिखने, असफलताओं से सीखने और संभावित भविष्य की असफलताओं से निपटने के लिए उत्सुकता ज्ञान देने का एक साहसिक मंच प्रदान करना था। इस ऑनलाइन गतिविधि के दौरान अपने स्वयं के लिखे असफलताओं से सीखें हुए पाठों को साझा करने और सकारात्मकता को

भाषना प्रदान करते हुए प्रतिभागियों ने एक दूसरे को प्रेरित किया कि वे हार न मानें या असफलताओं से अपने जीवन में नकारात्मकता न लाएं, बल्कि उनसे सबक लेकर भविष्य को चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को बहानों से मुक्त करना सीखा।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निखा भार्गव ने कहा कि हम सभी अपने जीवन के किस्से न किस्से मोड़ या असफलताओं का सामना करते हैं और अपनी असफलताओं या गिरावटों को दूसरों के साथ साझा करने से न केवल आत्मनिश्चय बढ़ता है, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का सहायक भी मिलता है।

उन्होंने कहा कि चॉरि निर्माण समिति ने इस प्रक्रिये पलत के माध्यम से प्रतिभागियों में जीवन के प्रति सलाह करने उन्हें सकारात्मकता का गुण प्रदान करने के आने तब को दिना में एक और साहसिक कार्य किया है।



एम.सी.एम. कॉलेज में शॉर्ट स्टोरी टेलिंग पर वर्कशॉप आयोजित

चंडीगढ़, 12 दिसम्बर (आशीष): सेंक्टर-36 के मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वुमैन की चॉरि निर्माण समिति ने असफलताओं से सीखें गए सबक विषय पर ऑनलाइन शॉर्ट स्टोरी टेलिंग गतिविधि का आयोजन किया। इसमें 45 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुभव साझा किए।

ऑनलाइन गतिविधि के दौरान अपने स्वयं के लिखे असफलताओं से सीखें हुए पाठों को साझा करके आशा और सकारात्मकता को भाव प्रदान करते हुए, प्रतिभागियों ने एक दूसरे को प्रेरित किया कि वे हार न मानें या असफलताओं से अपने जीवन में नकारात्मकता न लाएं, बल्कि उनसे सबक लेकर भविष्य को चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निखा भार्गव ने कहा कि हम सभी अपने जीवन के किस्से न किस्से मोड़ या असफलताओं का सामना करते



12. SECRET OF SECRET VALUES LEADING TO SUCCESS"-A Channel to Exemplify the Invisible Power

Date: 01 December 2020

Number of Participants: 62

Coordinator: Ms. Vandita Kapoor

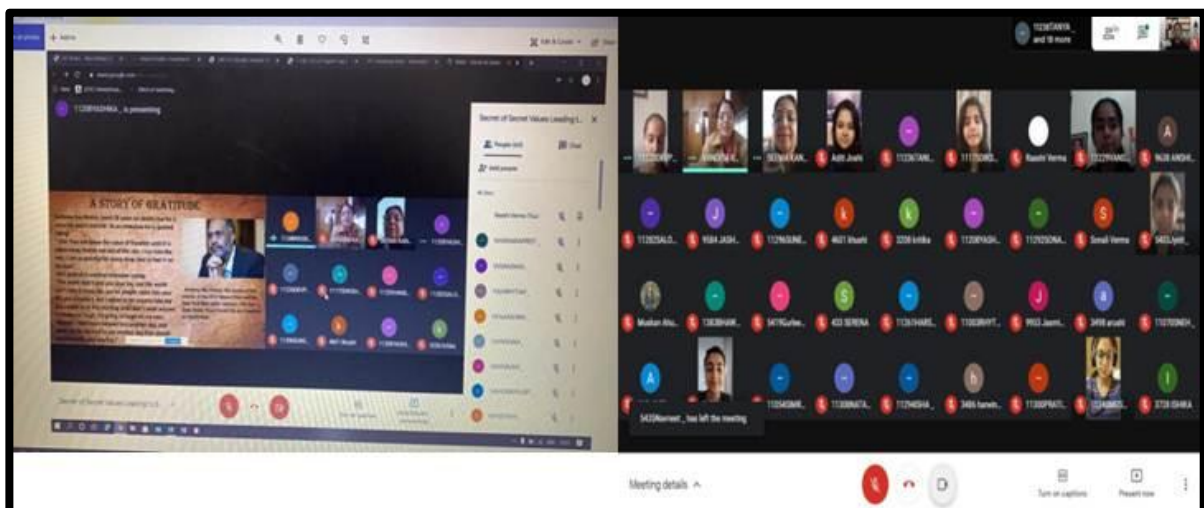
Student Ambassadors: Muskan Ahuja, Raashi Verma, Gurleen Kaur, Diksha, Vanshika, Devpreet Kaur Bhatia, Muskan Sharma, Yashika Madaan

Objective: The activity was conducted to inculcate the importance of thankfulness


Context: It becomes pertinent to realize the value of gratitude at every step of our lives. This activity was organized within the context of understanding the importance of thankfulness.

Objective: The activity was conducted to inculcate the importance of thankfulness and was attended by 62 participants.

Practice: The participants presented PPTs and provided their insights by filling the feedback form. Dr. Seema Kanwar concluded with a thought provoking message that we would feel complete if we are grateful for what we have.




Activity at a Glance



**CHARACTER BUILDING COMMITTEE
OF
MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN**

presents

"SECRET OF SECRET VALUES LEADING TO SUCCESS"



Date: Dec 1, 2020 - Dec 7, 2020
Time: 4 PM
Duration: 15 Min each day

STUDENT AMBASSADORS MUSKAN, GURLEEN, RAASHI, DIKSHA, VANSHIKA, DEVPREET MUSKAN SHARMA, YASHIKA	COORDINATOR MS. VANDITA KAPOOR	CONVENOR DR. SEEMA KANWAR	PRINCIPAL AND CHAIRPERSON DR. NISHA BHARGAVA
--	-----------------------------------	------------------------------	---

सफलता के रहस्यों पर ऑनलाइन गतिविधि आयोजित

चंडीगढ़। अपनी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन में सफलता पाने के लिए आवश्यक मूल्यों को साझा करते हुए, एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चारित्र निर्माण समिति ने सीक्रेट वैल्यूज लीडिंग टू सक्सेस-ए चैनल टू एग्जम्पलिफाय द इन्विजिबल पावर शीर्षक पर एक हफ्ते की ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की। ग्रेटिटयूड, पावर ऑफ ड्रीम्स, लॉ ऑफ अटेंक्शन, आर्ट ऑफ विजुअलाइजेशन, हैप्पीनेस एस अ स्टेट ऑफ माइंड


एमसीएम ने करवाया कार्यक्रम

चंडीगढ़, 11 दिसंबर (राकेश) : अपनी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन में सफलता पाने के लिए आवश्यक मूल्यों को साझा करते हुए, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चारित्र निर्माण समिति ने 'सीक्रेट वैल्यूज लीडिंग टू सक्सेस, चैनल टू एग्जम्पलिफाय द इन्विजिबल पावर' शीर्षक पर एक हफ्ते की ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की। ग्रेटिटयूड, पावर ऑफ ड्रीम्स, लॉ ऑफ अटेंक्शन, आर्ट ऑफ विजुअलाइजेशन, हैप्पीनेस एस अ स्टेट ऑफ माइंड तथा प्रोग्रामिंग माइंड फॉर सक्सेस शीर्षक पर सात ज्ञानवर्धक सत्रों में आयोजित इस गतिविधि में 62 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस

एमसीएम द्वारा आयोजित सफलता के रहस्यों पर कार्यक्रम

TAKE HAPPINESS THE GOAL

DO YOU TRULY WANT TO SUCCEED IN YOUR LIFE? IF YOU DO, THEN MAKE HAPPINESS THE GOAL OF YOUR LIFE. IF YOU HAVE LEARNED EVERYTHING IN LIFE BUT HAVEN'T LEARNED THAT THE GOAL OF LIFE IS TO BE HAPPY, THEN YOU HAVE LEARNED NOTHING. ISN'T IT TRUE?



चंडीगढ़ (हिमप्रभा व्यूरो)। अपनी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन में सफलता पाने के लिए आवश्यक मूल्यों को साझा करते हुए, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चारित्र निर्माण समिति ने सीक्रेट वैल्यूज लीडिंग टू सक्सेस-ए चैनल टू एग्जम्पलिफाय द इन्विजिबल पावर शीर्षक पर एक हफ्ते की ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की। ग्रेटिटयूड, पावर ऑफ ड्रीम्स, लॉ ऑफ अटेंक्शन, आर्ट ऑफ विजुअलाइजेशन, हैप्पीनेस एस अ स्टेट ऑफ माइंड तथा प्रोग्रामिंग माइंड फॉर सक्सेस शीर्षक पर सात ज्ञानवर्धक सत्रों में आयोजित इस गतिविधि में 62 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि में प्रतिभागियों को उन चारित्रिक लक्षणों से परिचित करवाया गया जो व्यक्ति को जीवन में सफलता की ओर ले जाते हैं। विभिन्न सत्रों में विचार-विमर्श से लेकर, जीवन में सफलता के रहस्य के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निता भार्गव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज की चारित्र निर्माण समिति छात्राओं में एक मजबूत मूल्य प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य के लिए समर्पित है जो न केवल उन्हें अच्छे इंसान बनाए बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाएगी।

एमसीएम द्वारा आयोजित सफलता के रहस्यों पर कार्यक्रम

चंडीगढ़, (देवभूमि मिश्र)। अपनी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन में सफलता पाने के लिए आवश्यक मूल्यों को साझा करते हुए, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चारित्र निर्माण समिति ने सीक्रेट वैल्यूज लीडिंग टू सक्सेस-ए चैनल टू एग्जम्पलिफाय इन्विजिबल पावर शीर्षक पर एक हफ्ते की ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की। ग्रेटिटयूड, पावर ऑफ ड्रीम्स, लॉ ऑफ अटेंक्शन, आर्ट ऑफ विजुअलाइजेशन, हैप्पीनेस एस स्टेट ऑफ माइंड तथा प्रोग्रामिंग माइंड फॉर सक्सेस शीर्षक पर सात ज्ञानवर्धक सत्रों में आयोजित इस गतिविधि में 62 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि में प्रतिभागियों को उन चारित्रिक लक्षणों से परिचित करवाया गया जो व्यक्ति को जीवन में सफलता की ओर ले जाते हैं। विभिन्न सत्रों में विचार-विमर्श से लेकर, जीवन में सफलता के रहस्य के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

13. 'Samanvaya' - an Online activity

Date: 19 December 2020 to 22 December 2020

Number of participants : 100 students

Coordinator: Dr. Amardeep Kaur and Dr. Aparna Sharma

Student Ambassadors: Bhawna Rani, Aditi Joshi, Shambhavi Sharma, Anchal Verma, Meha Verma.

Context: "Life is for participating not Spectating". Keeping this in mind the Character Building Committee organized "समन्वय".

Objective: Language is a way to express our thoughts, feelings and desires to the world around us. The Competition aimed to spread the message of "Unity through Languages". "कबीरा कुआ एक है पानी भरे अनेक! भांडे ही में फर्क है पानी सब में एक ". This line of poet

Sant Kabir Das Ji teaches us that whether we speak different languages or have different physical features, the soul inside us is one. With this thought, the students were asked to spread this message by using their creativity. There was an enthusiastic response from the students to participate in all the events.

Practice: The competition comprised of three categories:-

First Category – Calligraphy Writing in Sanskrit mantras and shlokas.

Second Category – Poetry Writing Competition in Hindi/Punjabi/English.

Third Category - Book Review in Hindi/English.

Evidence of Success: More than 100 entries were received in different categories. Students showed their creativity by using different languages and vocabulary in their entries.

Activity at a Glance

Character Building Committee of MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN



Presents

समन्वय

Competitions are:-

1. Calligraphy writing - Sanskrit mantras and Shlokas
2. Poetry writing - Hindi/Punjabi/English
3. Book Review - Hindi/English

From
19-12-2020 To
22-12-2020

(E-Certificates will be given)

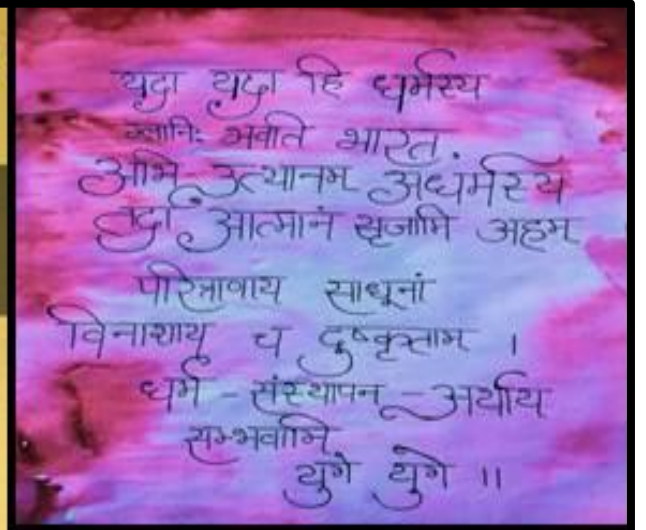
Mail your entries to goodcharactermcm@gmail.com For any queries, pls contact 9463999216 or 9914182498

Chairperson and Principal
Dr. Nisha Bhargava

Student Ambassadors
Bhavna Rani, Aditi Joshi,
Anehal Verma, Shambhavi
Sharma, Meha Verma

Convener
Dr. Seema Kanwar

Coordinators
Dr. Amardeep Kaur
Dr. Aparna Sharma



एमसीएम में भाषाओं की सुंदरता पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

पठेन्द्र (विद्युत् चूने)। मेरा और महान् डोली कलेंद्र पर खेमेन को खीर निम्न समिति ने समन्वय शोक पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसका उद्देश्य भाषाओं के माध्यम से एकता का संदेश देना था।

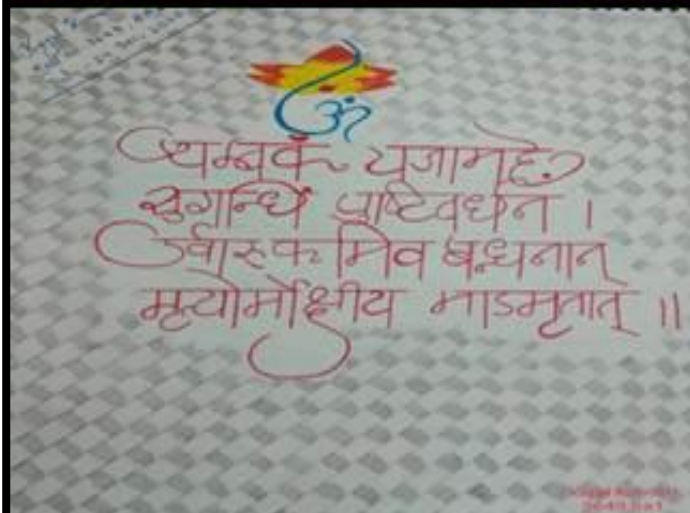
इस प्रतिस्पर्धा में सुदेश लेखन, कविता लेखन और पुस्तक समीक्षा सार्वत्रिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें प्रतियोगियों ने संस्कृत, हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी भाषाओं में अपनी प्रतिस्पर्धा भेजी। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विधाओं के 100 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, विद्वेन अपने रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से विविधता में एकता को भाषाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया। सुदेश प्रतियोगिता में कविता को पढ़ना पुस्तक मिला जबकि संदर्भ और शिक्षा को दूसरा तथा श्रेणी मिला को तीसरा पुस्तक दिया गया। हिंदी में कविता लेखन प्रतियोगिता में परिणत सौने को पढ़ना पुस्तक



प्रतियोगिता में मुस्कान सन्देश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा गुणशोध पर एवं परिणत सौने ने क्रमशः दूसरा एवं तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंशुनी में पुस्तक समीक्षा के लिए अर्पण मेहता को सम्मानित किया गया।

कलेंद्र को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतिस्पर्धा में अर्पण ने ही एक अलग भाव होने के क्षयपूर्व प्रत्येक भाषा अंतर मनुष्यों के बीच संबंध स्थापित करने एवं उनके एकिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चारित्र निम्न समिति को इस पढ़ना को सहाय्य करने हुए कलेंद्र तथा तन्वी चौधरी को दूसरा तथा कराला को तीसरा पुस्तक दिया गया। इन्ने तरह पंजाबी में कविता लेखन प्रतियोगिता में मुस्कान को प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कान्त एवं सुमन्योती को क्रमशः दूसरे और तीसरे पुस्तक से नवाज गया। अंग्रेजी में कविता लेखन



14. Spread a Smile

Date: 6 January-12 January 2021

Number of Participants: More than 70 students participated from all over India and three entries were received from Australia and Canada.

Judges: Ms. Suman Mahajan, Dr. Minakshi Rana

Coordinators: Dr. Minakshi Rana

Student Coordinators: Gauri, Srishti, Taruna, Muskan, Shefali and Rashi

Context: In the times of the current Pandemic, it is quite important to stay happy and spread cheer around. The activity was planned to add some mirth in the lives of others.

Objective: The aim was to celebrate the spirit of spreading smiles around and encourage students to be Happiness ambassadors.

Practice: The participants expressed videos of the beautiful moments when they made someone smile through pictures, PowerPoint presentations and videos.

Evidence of Success: Students all over India and abroad as well participated wholeheartedly in the competition. The sharing of moments of spending time in old age homes, a click to make a street child happy, feeding stray animals and distributing masks in happy handmade bags made the competition really a memorable one.





MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN
SECTOR 36-A, CHANDIGARH
presents
SPREAD A SMILE
(Under the aegis of Character Building Committee)
AN INTER COLLEGE COMPETITION

Share a moment when you become a reason for someone's smile through:

1. A PICTURE
2. A VIDEO : MAX 30 seconds
3. PPT : MAX 5 slides



SEND YOUR ENTRIES AT :
<https://forms.gle/4t8auwCdxk5XjWRMA>
LATEST BY 12 JANUARY 2021

FOR ANY ENQUIRIES CONTACT :
SHRSHTI-9914478930
TARUNA-8368748717

STUDENT AMBASSADORS:
SHRSHTI,
GAURI, MUSKAN, SONAL,
RASHI, SHEFALI AND
TARUNA

CONVENOR:
DR. SEEMA KANWAR

CHAIRPERSON PRINCIPAL:
DR. NISHA BHARGAVA

COORDINATOR:
DR. MINAGHI RANA

CASH PRIZES WILL BE AWARDED TO BEST THREE ENTRIES IN EACH CATEGORY:
FIRST PRIZE - ₹5 1000
SECOND PRIZE - ₹5 700
THIRD PRIZE - ₹5 500

एमसीएम डीएवी कॉलेज में स्प्रेड ए स्माइल प्रतियोगिता आयोजन

चंडीगढ़ ■ रोज़गार व्यूरो

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन की चरित्र निर्माण समिति ने 'स्प्रेड ए स्माइल' शीर्षक पर एक ऑनलाइन वीडियो/पीपीटी/पिक्चर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को किसी के भी जीवन में खुशी के पल लाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित पूरे भारत से 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने प्रविष्टियां भेजी। प्रतिभागियों ने अपने वीडियो, चित्रों और पीपीटी के माध्यम से दिल को छूने वाले उन क्षणों को व्यक्त किया जब उन्होंने किसी के चेहरे पर मुस्कान लायी। वृद्धाश्रम में वित्तिये समय के क्षण, अपनी गली में बच्चे को खुश करने के पल, आवारा जानवरों को खिलाना और हस्तनिर्मित बैग में मास्क वितरित



करना जैसी प्रविष्टियों ने प्रतियोगिता को वास्तव में एक वादवार बना दिया। विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पिक्चर क्लिक प्रतियोगिता में गवर्नमेंट होम साइंस कॉलेज सेक्टर-10 चंडीगढ़ को हरमन कौर ने पहला पुरस्कार जीता। एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, चंडीगढ़ की चित्रा शर्मा ने दूसरा पुरस्कार जीता तथा इसी कॉलेज की खुशी गोविल को तीसरा पुरस्कार

मिला। वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, चंडीगढ़ की निशिता सिंह ने पहला पुरस्कार जीता तथा इसी कॉलेज की मुस्कान लाम्बा ने दूसरा पुरस्कार जीता।

तीसरा पुरस्कार पीजीजीसीजी-11 चंडीगढ़ को प्रभसिमरन कौर ने जीता। एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, चंडीगढ़ की आरुषी ने पहला पुरस्कार जीता।

प्रतिभा 'स्प्रेड ए स्माइल' प्रतियोगिता, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के स्टूडेंट ने लिया हिस्सा 'पिक्चर क्लिक प्रतियोगिता में हरमन कौर ने जीता पहला पुरस्कार'

चंडीगढ़, 22 जनवरी (आरपी) - डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वीमेन, सेक्टर-36 की चरित्र निर्माण समिति ने 'स्प्रेड ए स्माइल' शीर्षक पर एक ऑनलाइन वीडियो, पीपीटी और पिक्चर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को किसी के भी जीवन में खुशी के पल लाने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित पूरे भारत से 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने प्रविष्टियां भेजी।

प्रतिभागियों ने अपने वीडियो, चित्रों और पीपीटी के माध्यम से दिल को छूने वाले उन क्षणों को व्यक्त किया गया, जब उन्होंने किसी के चेहरे पर मुस्कान लायी। वृद्धाश्रम में वित्तिये, अपनी गली में बच्चे को खुश करने के पल, आवारा जानवरों को खिलाना और हस्तनिर्मित बैग में मास्क वितरित करना जैसी प्रविष्टियों ने प्रतियोगिता को वास्तव में एक वादवार बना दिया। विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पिक्चर क्लिक प्रतियोगिता में गवर्नमेंट होम साइंस कॉलेज सेक्टर-10 चंडीगढ़ को हरमन कौर ने पहला पुरस्कार जीता। एम.सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वीमेन की चित्रा शर्मा ने दूसरा पुरस्कार जीता तथा इसी कॉलेज की खुशी गोविल को तीसरा पुरस्कार मिला।



प्रतियोगिता में भाग लेती कॉलेज की छात्राएं।

'वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता : निशिता सिंह रही प्रथम'
वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में एम.सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वीमेन की निशिता सिंह ने पहला पुरस्कार जीता। इसी कॉलेज की मुस्कान लाम्बा ने दूसरा पुरस्कार और तीसरा पुरस्कार पीजीजीसीजी-11 चंडीगढ़ की प्रभसिमरन कौर ने जीता।

'पी.पी.टी. प्रतियोगिता में आरुषी ने माली बाजी'
पी.पी.टी. प्रतियोगिता में आरुषी ने पहला पुरस्कार जीता। पी.जी.जी.सी.जी.-11 चंडीगढ़ के आरुषी कौर ने दूसरा पुरस्कार जीता। तीसरा पुरस्कार मुक्त मोहित सिंह कॉलेज फॉर वीमेन सेक्टर-26 चंडीगढ़ की प्रभसिमरन कौर ने जीता।

15. Online ‘DESHBHAkti GEET GAYAN PRATIYOGITA’

Date: 23 January 2021- 25 January 2021

Number of Participants: 60

Student Ambassadors: Bhavna Rani, Aditi Joshi, Avantika Sharma, Jasnoor, Kirti Sharma, Saashi, Neeruj

Context: The competition required the participants to send their respective entries in the form of videos wherein they had to sing a patriotic song in Hindi, Punjabi, Sanskrit or their regional language, which after being judged, were ranked accordingly for the distribution of prizes.

Objectives:

- To inculcate and celebrate the spirit of patriotism among students along with providing them a platform to showcase their musical and singing talent at the national level
- To increase confidence among the students with regard to their singing and music talents so that they may further progress and enhance their acumen

Practice: The participants had to send their video singing a patriotic song in Hindi, Punjabi, Sanskrit or their regional language, with a maximum time limit of 3 minutes. The participants could sing any song of their choice and could also add their own touch to it in order to enhance their overall performance.

Evidence of Success: The event witnessed the participation of 60 people from all over the country. The participation of students from different streams and different age groups was seen in this competition. The students expressed their love for their motherland alongside showcasing their creativity at music and singing. The hard work and zeal of all the participants was clearly visible in their respective videos. This showed the dedication and commitment of this generation towards their motherland. It highlighted and intensified the patriotic fervour amongst students and also gave them a chance to showcase their skills at singing and music. The students responded with a lot of enthusiasm which made this entire event a huge success.

Activity at a Glance


Character Building Committee
 of
Mehr Chand Mahajan DAV
College For Women
 presents
National Level Competition
देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता
 रुचिरं त्रिवर्णकांतं राष्ट्रध्वजं नमामि ।
 From 23-01-2021 to 25-01-2021
 Make a video while singing a patriotic song in HINDI, PUNJABI,
 SANSKRIT or in your regional language

•The video should be of maximum 3 minutes
 •Mail your entries at goodcharactercm@gmail.com
 •E-certificates and cash prizes will be given to the winners

First Prize:- ₹ 1,200/-
 Second Prize:- ₹ 1,000/-
 Third Prize:- ₹ 800/-
 Consolation Prize:- ₹ 500/-

Student Ambassador
 Aditi Joshi, Bhavna Rani, Avantika,
Convener Principal/Chairperson
 Jaspreet, Kriti Sharma, Saashi, Neeraj, Dr. Seema Kapwar, Dr. Nisha Bhargava

देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में श्रेया प्रथम

चंडीगढ़, 1 फरवरी (ट्रिब्यू)

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की चरित्र निर्माण समिति ने राष्ट्रीय स्तर की देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता एवं इंट्रा कॉलेज देशभक्ति कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को हिंदी, पंजाबी, संस्कृत या उनकी क्षेत्रीय भाषा में अपनी पसंद के देशभक्ति पर गीत गायन का वीडियो बनाना था। कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी या पंजाबी भाषा में स्वरचित देशभक्ति कविताओं को प्रस्तुत करना था। देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की श्रेया शर्मा को मिला।

एमसीएम में देशभक्ति से ओतप्रोत प्रतियोगिताएं

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की चरित्र निर्माण समिति ने राष्ट्रीय स्तर की देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता एवं इंट्रा कॉलेज देशभक्ति कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी गायन और काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करने के साथ साथ देशभक्ति की भावना को अग्रसर करना था। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। गीत गायन प्रतियोगिता में, प्रतिभागियों को हिंदी, पंजाबी, संस्कृत या उनकी क्षेत्रीय भाषा में अपनी पसंद के देशभक्ति पर गीत गायन का वीडियो बनाना था। कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी या पंजाबी भाषा में स्वरचित देशभक्ति कविताओं को प्रस्तुत करना था। देशभक्ति गीत गायन में प्रथम पुरस्कार श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया।

‘देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रतियोगिताएं’ ‘गीत गायन में श्रेया ने जीता पहला पुरस्कार’



प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

चंडीगढ़, 1 फरवरी (अश्लीष) : प्रथम पुरस्कार एम.सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वूमेन की श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया। देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी गायन और काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करने के साथ साथ देशभक्ति की भावना को अग्रसर करना था। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। गीत गायन प्रतियोगिता में, प्रतिभागियों को हिंदी, पंजाबी, संस्कृत या उनकी क्षेत्रीय भाषा में अपनी पसंद के देशभक्ति पर गीत गायन का वीडियो बनाना था। कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी या पंजाबी भाषा में स्वरचित देशभक्ति कविताओं को प्रस्तुत करना था। देशभक्ति गीत गायन में प्रथम पुरस्कार श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया।

एमसीएम में देशभक्ति से ओतप्रोत प्रतियोगिताएं

देशभक्ति पर गीत गायन का वीडियो बनाना था। कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी या पंजाबी भाषा में स्वरचित देशभक्ति कविताओं को प्रस्तुत करना था। देशभक्ति गीत गायन में प्रथम पुरस्कार श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया।



देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया।

देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी गायन और काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करने के साथ साथ देशभक्ति की भावना को अग्रसर करना था। इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। गीत गायन प्रतियोगिता में, प्रतिभागियों को हिंदी, पंजाबी, संस्कृत या उनकी क्षेत्रीय भाषा में अपनी पसंद के देशभक्ति पर गीत गायन का वीडियो बनाना था। कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी या पंजाबी भाषा में स्वरचित देशभक्ति कविताओं को प्रस्तुत करना था। देशभक्ति गीत गायन में प्रथम पुरस्कार श्रेया शर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार एम.ए. हिस्ट्री की एक प्राइवेट स्टूडेंट पूजा को मिला। तीसरा पुरस्कार सीजीसी लाइस के हार्दिक भरद्वाज को मिला तथा एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की रिया पुंडीर को सात्वना पुरस्कार दिया गया।

16. An Online Patriotic Poetry Writing Competition on the occasion of Republic Day

Date: 26.01.2021

Number of Participants: 32

Coordinator: Dr. Neetu

Student Ambassadors: Ms. Jaskirat Kaur and Ms. Prachi

Judges: Dr. Seema Kanwar, Dr. Aparna and Dr. Sunita

Context: Republic Day marks an important event in India's history. It commemorates the enactment of the Constitution of India which came into effect on 26th January 1950, and turned the nation into a republic. On this occasion, the Patriotic Poetry Writing Competition provided an opportunity to the students to be proud of their nation endowed with rich and varied heritage.

Objectives:

- To help youth understand the significance of unity and integrity of this great nation
- To provide a platform to students for expressing their feelings for the nation

Practice: As many as 32 students from different disciplines participated enthusiastically in the event and expressed their feelings of love, devotion, and sense of attachment to their homeland.

Evidence of Success: This event spread the feeling of nationalism among students and helped them express their creativity.

Result:

First Prize – “India- My Country; My Home” by Chanpreet Kaur, B.A. I

Second Prize – “ इस माटी में है जन्म लिया “ by Mehak Chaudhary, B.Sc. I Non-Med

Third Prize – “ भेरा मेरहा हिंदुसतान “ by Amanjot Kaur, B.A. III

– “We All Are Indians First” by Tamanna Kapoor, B.Sc. II MFT

Consolation – “ गुलाब सा भारत ” by Kajal, B.A. III (Hons.)

– “ सच्ची श्रद्धांजलि” by Harshita, B.Sc. II Medical

Activity at a Glance

Date: 23-01-21
Happy Republic Day
 "A Nation's Culture Resides In The Hearts And In The Soul of its People."

We all are Indians first...
 History is our witness,
 and martyrs are the god,
 we are disciples of Gurus,
 this land is saints' abode.
 Compassion is our heritage;
 in Humanity do we trust,
 Neither Hindu nor Muslim,
 We all are Indians first.

Diversity is our Culture,
 and unity is our strength,
 we strive for Peace of world,
 but are cautious of defence.
 Challenger of our sovereignty,
 fox sure would bite the dust,
 Neither kannad nor Oriya,
 We all are Indians first.

Perseverance is our Ethos,
 and diligence is our means,
 We pledge the wisher in dawn,
 our ancestors saw in dreams.
 We ain't shy of hard-work,
 for us Rest-is-Rust,
 Neither Tamil nor Sindhi,
 We all are Indians first.

Submitted by:
 Tamanna Kapoor

ਹਦਿ ਇਸ ਵੀਰ ਸੇਨਾਦੀ ਕੀ ਮਹੀ ਜਠਾਂਦੀ ਡੇਰੀ ਹੈ ਜੇ ਤੁਸਕੇ
 ਚਿਤ ਆ ਸੁਭਾਵਕ ਨਦੀ ਕੇ ਡੁਬਕ ਤੁਸਕੇ ਮਨੀ ਕੀ ਮੁਹੀ ਅੰਕਿ
 ਤੇ ਅਧਾ ਕੇ ਡੁਬਕ ਦੀਏ ਮਸਾਨ ਕੁਛ ਮਾਰੀਆਂ ਹੈ, ਤੁਸਕੇ ਮਦੀ
 ਔਰ ਮਦੀ ਚੈਵਾਰ ਕੀ ਡੁਬਕ ਡੁਬਕ ਨਹਾ ਡੇਰ। ਡੇਰੀ ਯਾਦੀ ਹੈ
 ਕਿ ਤੁਸਕੇ ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਔਰ ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਕੀ
 ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ, ਮੁਹੀ ਨੇ ਮਹੀ ਜਠਾਂਦੀ ਹੈ।

ਤੇ ਮੋਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਔਰ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਜੇ ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਹੈ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਤੇ ਮੋਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਵਿੱਚ ਸੁਹੱਪਣ ਦੇ ਪਰੇਏ ਮੋਤੀ , ਵਹਿਦਤ ਦੀ ਭਰੀ ਰਹੇ ਖਾਣ ।
 ਗੁਲਜ਼ਾਰ ਵਾਰੀ ਮਹਿਕਦਾ ਰਹੇ , ਮੇਰਾ ਸੋਹਣਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ।
 ਨਾ ਕੋਈ ਓਪਰਾ , ਨਾ ਕੋਈ ਗੈਰ , ਨਾ ਪਰਾਇਆ , ਨਾ ਬੇਗਾਨਾ ,
 ਤੂੰ ਇਨਸਾਨ ਮੈਂ ਇਨਸਾਨ , ਤੇਰਾ ਮੇਰਾ ਹੈ ਯਾਰਾਨਾ ।
 ਮੇਰ ਦੀਆਂ ਤੰਦਾਂ ਹਰ ਪਾਸੇ ਜੁੜੀਆਂ ਜਾਤ ਮਜਬ ਤੋਂ ਕੀਲੇ ਜਾਣਾ ।
 ਦੁੱਖ ਸੁੱਖ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣਾ , ਹੈ ਸਾਡੀ ਪਹਿਛਾਣ ॥
 ਗੁਲਜ਼ਾਰ ਵਾਰੀ ਮਹਿਕਦਾ ਰਹੇ , ਮੇਰਾ ਸੋਹਣਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ।
 ਬੋਲਣ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ ਹੈ ਹੋਰ , ਤੇਰੀ ਮੇਰੀ ਵੱਖ ਹੇ ਤੋਰ ।
 ਭਾਵੇਂ ਅਲਗ ਹੈ ਜ਼ਰੀਆ ਆਪਣਾ , ਪਰ ਦਿਲੋਂ ਬੋਲੀਏ ਇੱਕ ਹੀ ਬੋਲ ।
 ਪੱਤੇ ਟਹਿਣੀਆਂ ਅਸੀਂ ਇਕੋ ਬੂਟੇ ਦੇ , ਸਾਡੀ ਵਸੀ ਹੈ ਇਸ ਵਿੱਚ ਜਾਨ ,
 ਹਰ ਵਾਰੀ ਮਹਿਕਦਾ ਰਹੇ , ਮੇਰਾ ਸੋਹਣਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ।

ਅਮਨ ਖੈਰ

ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਤੇ ਮੋਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਤੇ ਮੋਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਤੁਸਕੇ ਮੁਹੀਆਂ ਕੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।
 ਮੁਹੀ ਨੇ ਮੁਹੀ ਯਾਦ ਹੈ।

ਅਸ ਦਿ-ਯ ।

17. Online Bhajan Gayan Competition

Date: 12 December 2021

Number of Participants: 100

Anchors: Bhawna Rani and Aditi Joshi

Judges: Dr. Sonica, Dr. Layeka Bhatia and Dr. Jaspreet Kaur

Context: To mark the Celebration of “Maharishi Dayanand Saraswati Jayanti”, the college organized an ‘Online Bhajan Gayan Competition’. This competition was organized to create awareness regarding the thoughts and teachings of Swami Dayanand Saraswati ji among students.

Objective: Maharishi Swami Dayanand Saraswati Ji was a great thinker, social reformer of modern India. His aim was to eradicate the evils of the Indian society. He contributed to social, religious, and academic reforms. The student community tends to remain unaware of the legendary people of our country who shaped modern India as we see it today.

The event was organized to relive the past and experience the beauty of singing.

Practice:

The competition was organized with the following conditions.

- The maximum duration of the Bhajan should not exceed 4 minutes.
- Bhajan performances could be solo or with accompanists.

The competition saw active participation of students. Students from different streams participated in this competition.

Principal Dr. Nisha Bhargava addressed the participants and acquainted them with Swami Dayanand Saraswati ji’s life and the reforms made by him. The Head of Music Department Dr. Deepa blessed the students with her kind words. The Head of the Department of Sanskrit, Dr. Seema Kanwar motivated the students with the teachings of Swami ji. The melodious voice of the participants mesmerized the listeners and the judges. Some participants showcased their singing talent by using their voice only whereas some participants enriched their performance by using different kinds of musical instruments. From Sanskrit shlokas to authentic hindi bhajans, the event was full of an amalgam of culture and heritage.

Evidence of Success: The listeners were touched by the bhajans sung by the students. The winners were given e-certificates.

Activity at a Glance



Mehr Chand Mahajan DAV College for Women

Sector 36-A, Chandigarh (U.T.)

Character Building Committee

To mark the Celebration of
Maharishi Dayanand Saraswati Jayanti

Organizes
Online Bhajan Gayan Competition

Date : 12 February 2021 Time : 12:00 Noon



Note:

- The maximum duration of the Bhajan should not exceed 4 mins.
- Bhajan performance can be solo or with accompanists.
- Participants must ensure aesthetically appealing background as the performances will be uploaded on the Institutional Social Media platform.

Participants are required to register on or before 11th February 2021 till 5:00 pm, at the link given below:
<https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfrQjstfM1AubkpyllTgTP-ELu01T-Asp1RsuDz5A/viewform>

Dr. Seema Kanwar
Head-Dept. of Sanskrit

Ms. Deepa
Head-Dept. of Music

Dr. Nisha Bhargava
Principal



Celebration of Maharshi Da...

भजन गायन में विशाखा व आक्षता जाता

चंडीगढ़। एमसीएम डीएवी कॉलेज-36 ने मंगलवार को महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती के उपलक्ष्य में ऑनलाइन भजन गायन प्रतियोगिता कराई। छात्राओं ने भजन के माध्यम से दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं की जन्मकारी देकर ब्रह्मंजलि दी। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विशाखा और अर्चिता वर्मा को मिला।

श्रीमा व सिमरनजीत कौर दूसरे तथा इम्वीत कौर व रिदम जीसरे स्थान पर रही। कुंदा, रंजन चादव, निपति शर्मा, दिव्यंशु शर्मा को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कालिदा प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने प्रतिभागियों को महर्षि दयानंद सरस्वती के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने और उनके गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।



Celebration of Maharshi Da...

एमसीएम में महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती का आयोजन



रघुमन इंडिया/विनोद कुमार

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती के उपलक्ष्य में मेहरचंद महाजन डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ की चरित्र निर्माण समिति ने ऑनलाइन भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। अपनी गायन प्रतिभा के माध्यम से स्वामी दयानंद सरस्वती की को ब्रह्मंजलि अर्पित करते हुए छात्राओं ने उनकी बहुमूल्य शिक्षाओं को श्रोताओं तक पहुंचाने का अनुरोध प्रवास किया। अपने उद्घाटन संबोधन में कालिदा की विसिद्धता डॉ. निशा भार्गव ने एक महान विचारक और सामाजिक सुधारक के रूप में स्वामीजी की भूमिका पर प्रकाश डाला, विन्दीन सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक और शैक्षणिक सुधारों के लिए निरंतर प्रयत्न से कहे किया। डॉ. भार्गव ने प्रतिभागियों महर्षि दयानंद सरस्वती के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने और उनके गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। विविध विधाओं की श्रेणियों में आध्यात्मिक भजन से श्रोताओं और निर्माताओं को संतुष्ट कर दिया। सभी प्रस्तुतियों को श्रोताओं एवं निर्माताओं द्वारा सराहा गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विशाखा और अर्चिता वर्मा को मिला। दूसरा पुरस्कार परिमा और सिमरनजीत कौर ने जीता तथा तीसरा पुरस्कार इम्वीत कौर और रिदम को मिला। कुंदा, रंजन चादव, निपति शर्मा, दिव्यंशु शर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

53

18. परिणीता

Date: 1 March-5 March 2021

Number of participants: 25

Judges: Dr. Minakshi Rana

Coordinator: Dr. Minakshi Rana

Context: To celebrate the spirit of being a homemaker, the Character Building Committee of the College organised an activity where the participants were required to send a self-composed poem dedicated to the homemaker in their lives.

Objective: The contribution of a homemaker is immense in everyone's life though it remains underrated and less recognised. The aim of this activity was to acknowledge the selfless and singular devotion of homemakers in taking care of the family.

Practice: The participants beautifully dedicated self-composed poems to the homemaker in their lives.

Evidence of Success: There was a reflection of love, dignity and respect for the homemaker in the poetic expression of the participants.

Results:

First Prize – “ Thank You Mom” by Bhavika, B.Com I

Second Prize – “The Homemaker” by Prerna Gulyani, BSc 1 Non Medical

Third Prize – “ Maa ka Daman” by Annanya Mahajan, BSc II Medical

Activity at a Glance

एमसीएम में महिला दिवस का आयोजन : मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने दो गतिविधियां आयोजित कीं। विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता वूमन इन लीडरशिप विषय पर आयोजित की गई। 'परिणता' गतिविधि में प्रतिभागियों ने दिल को छू लेने वाली कविताएं लिखी तथा इसे अपने जीवन की होम मेकर्स को समर्पित किया।

एमसीएम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया



चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारीत्व को सम्मान देते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने दो गतिविधियां आयोजित की जिनमें एक राष्ट्रीय स्तर की विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता तथा दूसरी गतिविधि का शीर्षक था परिणता जिसमें अंतर्गत प्रतिभागियों को स्वर्णित कविता के माध्यम से भावों को समर्पित करना था। विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता वूमन इन लीडरशिप विषय पर आयोजित की गई तथा इसमें भी प्रतिभागियों ने बड़ चढ़ कर भाग लिया तथा अपनी प्रविष्टियों में वीमेनहुड के सार को दर्शाया था।

THANKYOU MOM

Since the day I was small
Till the day I became tall
There is someone who loves me and is my caretaker
Thankyou mom, you are a tireless humble homemaker!

Holding your finger, I learnt to walk
Thankyou mom you taught me to talk
You have always inspired me to be strong
And showed me what's right and what's wrong!

You have always helped me to overcome my fears

Thankyou mom for wiping my tears
You have always kept me away from nerds
How much I love you, I can't explain in words!

You have never let me fall apart,
Thankyou mom for keeping me close to your heart
I know many times I have hurt you more than enough
But not speaking with you makes my life tough!

I always feel safe and secure within your arms
Thankyou mom for protecting me from all the harms

You don't know how much you really mean to me

Our bond is vast and perpetual like the sea!

-BHAVIKA

THE HOMEMAKER

She works around the clock
comes running on my one knock,
No time for herself to spare
But when she is around,
feels like love is in the air.

At times content, at times despairing,
But always there and always caring,
Go through problems everyday,
Don't have any complaints to say.

Her confidence is pretty awesome
with a smile like flowers blossom,
Not a complaining machine
But a strong Queen.

Work all day without taking rest
Clearing all the life's feet
No doubt,
She definitely deserves the best!!

Who is the homemaker?
None other than,
My mother, the care-taker.

-PREENA GULYANI

19. Women in Leadership: On the Occasion of international Women's Day

Date: 8 March 2021

Number of participants: 37

Coordinator: Dr. Preeti Gambhir

Students Ambassadors: Bhawna Rani, Aditi Joshi, Avantika Sharma, Tanya, Shambhavi Sharma

Context: Women are that half of the society who choose to challenge and amplify voices for greater gender equality and inclusivity. History stands as evidence to the fact that women have stood shoulder to shoulder with men, if given the chance. This is what they have been fighting for heroically since generations. If given the opportunity of equality, there is nothing that women cannot achieve.

Objective: The aim of the event was to recognize and celebrate the role of women in the family, society, community and world at large. The National Level Advertisement Making Competition was organized by the Character Building Committee to celebrate the women of our society who deserve a lot more praise, love and support than what they have currently.

Practice: On the occasion of International Women's Day, the Character Building Committee of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh organized an Advertisement Making Competition to celebrate the contribution of women and honour them for everything they do for the world at large. It celebrated women from diverse areas who have made marks in different fields.

The competition required that the participants create a print or video advertisement honouring and saluting women in society, adding their own creativity and uniqueness to it. The participants had to make an advertisement in the print or video format (a person could also send one entry each in both the categories). The advertisements had to be innovative and exuberant. The entire essence of this activity was to show our reverence to women without whom no work can be said to be complete. The participation of everyone was worthy of praise. A lot of hard work that went into the making of various advertisements sent to us by other distinguished participants from different areas was visible in their advertisements.


Evidence of success- As many as 37 people participated in the event. The enthusiasm of the participants was evident from their varied advertisements and each celebrated the essence of womanhood. All in all, the activity was a success.

Activity at a Glance

Mehr Chand Mahajan DAV College for Women
Sector 36-A, Chandigarh
Character Building Committee
Presents National Level Competition

Women in Leadership!

On the Occasion of International Women's Day



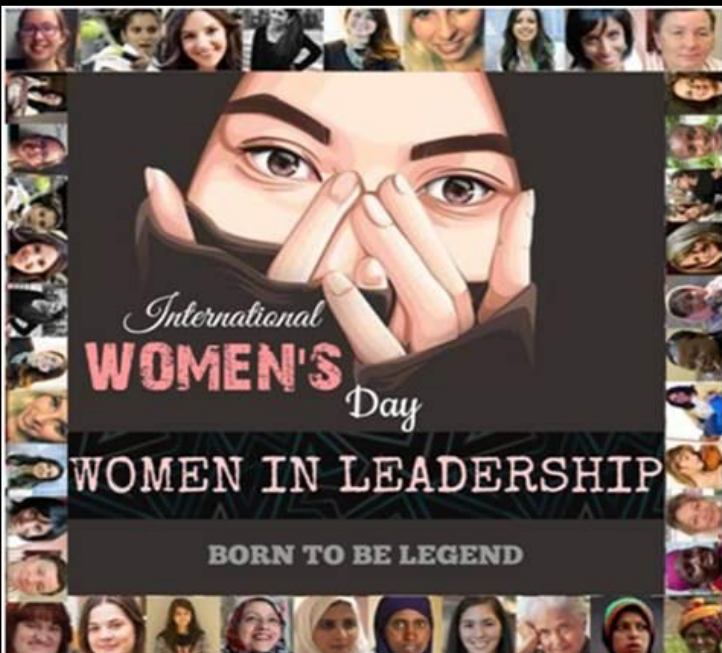
On March 8, 2021

Categories: Print Advertisement & TV Advertisement
Winners will be awarded with E-Certificates

First Prize Rs 1000/-
Second Prize Rs800/-
Third Prize Rs500/-

Student Ambassadors: Tanya Shambhavi, Aditi Bhatnava, Avantika
Coordinator: Dr. Preeti Gambhir
Convener: Dr. Seema Kanwar
Chairperson: Dr. Nisha Bhargava

For Queries Contact 9815086456, 9779305944
or Email at Goodcharactermcm@gmail.com
Last Date to submit your entries is March 5, 2021





your TRUST make us WORTH

3th March

*Alinal Dakhane
Ehsale*



*Capt. Swati
Kavul*



*Dr. Shifa
Mohammed*



Alabhita Nagaraj



Women – Our Leader, Our Pride, Our Future



एमसीएम में महिला दिवस का आयोजन : मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने दो गतिविधियां आयोजित कीं। विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता वूमेन इन लीडरशिप विषय पर आयोजित की गई। 'परिणता' गतिविधि में प्रतिभागियों ने दिल को छू लेने वाली कविताएं लिखी तथा इसे अपने जीवन की होम मेकर्स को समर्पित किया।

एमसीएम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय (विश्वभर में)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने दो गतिविधियां आयोजित कीं। विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता वूमेन इन लीडरशिप विषय पर आयोजित की गई। 'परिणता' गतिविधि में प्रतिभागियों ने दिल को छू लेने वाली कविताएं लिखी तथा इसे अपने जीवन की होम मेकर्स को समर्पित किया।



अंतर्राष्ट्रीय (विश्वभर में)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज की चरित्र निर्माण समिति ने दो गतिविधियां आयोजित कीं। विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता वूमेन इन लीडरशिप विषय पर आयोजित की गई। 'परिणता' गतिविधि में प्रतिभागियों ने दिल को छू लेने वाली कविताएं लिखी तथा इसे अपने जीवन की होम मेकर्स को समर्पित किया।

20. Felicitation Function for Swachta initiatives held on 10th March, 2020

Date: 10 March 2021

Number of participants: 60

Context : With a view to felicitate the Staff members who worked tirelessly throughout the year in Swachhta initiatives and various Government Programmes, a Swachhta Prize Distribution Function was organized. The prizes were given out on the basis of inspection that takes place every year to select the best maintained lawn/area/lab or Departmental Room.

Objectives :

-To encourage and felicitate the teaching and non-teaching staff members who engage in Swachhta related activities throughout the previous year.

-To encourage and felicitate the teaching and non-teaching staff members who contributed in various Government programmes throughout the previous year.

-To conduct regular inspection of the various rooms, labs and other areas of the College

Practice :

With an aim to encourage the members of teaching and non-teaching staff for their contribution in various activities of the College including the Swachhta initiatives of the College, a prize distribution function was organized. Winners of various competitions and initiatives and the Committees working under various Government programmes were honoured.

The function started with a token of gratitude to the judges and the winners. Principal Dr. Nisha Bhargava gave away the tokens of appreciation in the ceremony which was conducted in the celebration ground of the College. In her address to the winners, she applauded their efforts in the respective fields and also looked forward to the next year with more initiatives being taken by the College towards achieving the goal of Swachhta. Social distancing norms were duly followed during the event.

Various members of the teaching and non teaching staff conducted the inspections for various areas including Laboratories, Department Rooms, Office Cabins, Corridors, Library and Lawns, and decided the winners.

Evidence of Success: The teaching and non teaching staff were infused with a new spirit to better their previous performance and made fresh contribution to the college in multifarious ways.

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित

चंडीगढ़, 10 मार्च (राम सिंह बराड़): मेहरचंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन ने स्वच्छता के लिए किये गए प्रयासों, स्वच्छता पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के तहत काम करने वाली कॉलेज की समितियों को सम्मानित करने हेतु एक सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान, स्वच्छ समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला, विभाग कक्ष, कार्यालय केबिन, गलियारा, पुस्तकालय और कॉलेज परिसर में सर्वश्रेष्ठ बगीचे के रखरखाव पर प्रतियोगिताएं शामिल थीं। भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के तहत सहायनीय कार्य करने के लिए सम्मानित की गई समितियों में एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब, राष्ट्रीय उच्चतर

शिक्षा अभियान समिति, गीतांजलि हेल्पलाइन एवं मानसिक कल्याण समिति, एनएसएस, एनसीसी, स्वच्छता समिति, स्वच्छता रिपोर्ट समिति, इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब, उन्नत भारत अभियान समिति, इको क्लब, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कौंसिल, रिन्यूएबल एनर्जी समिति, कौशल



समारोह में विजेताओं तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के तहत काम करने वाली कॉलेज की समितियों को सम्मानित करते हुए डॉ. निशा भार्गव। (छाया : गुरिंदर सिंह)

विकास समिति, प्लेसमेंट सेल तथा चरित्र निर्माण समिति शामिल हैं। एक कार्यक्रम में, कॉलेज ने स्वच्छ मन दिवस आयोजित किया जिसका उद्देश्य व्यक्ति के भीतर के परस्पर विरोधी विचारों और भावनाओं को त्याग कर सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना था। इस गतिविधि में कागज के एक टुकड़े

पर किसी के प्रति भी मन में आये नकारात्मक विचारों को लिखकर उसे फॉर्गिवनेस बॉक्स में डालना था। स्टाफ के सदस्यों ने ऊसाहपूर्वक इस गतिविधि में भाग लिया और कहा कि यह एक अत्यंत रचनात्मक गतिविधि थी, जिसमें कि उन्होंने अपने जीवन में नकारात्मकता को खत्म किया।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि वर्ष 2018 में देश के सबसे स्वच्छ कॉलेज होने का गौरव प्राप्त करने के बाद, एमसीएम स्वच्छता और सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छ मन पहल को सहायता करते हुए डॉ. भार्गव ने कहा कि हमें उन विचारों और सपनों को साधने का प्रयास करना चाहिए जो हमें सफलता और ऊकृष्टता तक ले जाते हैं, बजाय इसके कि हम नकारात्मक विचारों के साथ रहें जो हमें परेशान करते हैं और हमारी कार्य कुशलता को कम करते हैं।

MCM holds felicitation function for Swachhta initiatives



CHANDIGARH: In a felicitation ceremony, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women honoured the winners of various Swachhta competitions and initiatives, and the Committees working under various Government programmes. During the ceremony, the winners of competitions conducted under the aegis of Swachhta Committee were felicitated that included Best

Laboratory, Department Room, Office Cabin, Corridor, Library and Best maintained Lawn Competitions. The Committees that were felicitated for undertaking appreciable work under flagship schemes of Government of India included Ek Bharat Shreshtha

Bharat Club, RUSA Cell, Geetanjali Helpline and Mental Wellness, NSS, NCC, Swachhta Committee, Swachhta Report Committee, Electoral Literacy Club, Character Building Committee, Eco Club, IIC, Renewable Energy Committee, UBA, Skill Development and Placement Cell. In another novel initiative, the college observed 'Swachh Mann Diwas'- an activity to promote positive thinking by giving vent to one's inner conflicting thoughts and feelings. The activity entailed writing one's grudges or negative thoughts on a piece of paper and dropping them in a forgiveness box. Staff members enthusiastically participated in the activity and said that it was an extremely creative activity that purged them of negativity in their lives. Principal Dr. Nisha Bhargava asserted that having the distinction of being the Cleanest College in the Country (2018), MCM is committed to the cause of Swachhta and sustainable practices. Appreciating the Swachh Mann initiative, Dr. Bhargava added that we must strive to cultivate thoughts and dreams that take us to success and excellence, instead of living with negative thoughts that trouble us and minimise our work efficiency.

एमसीएम में सम्मान समारोह आयोजित



चंडीगढ़ (रोजाना ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन ने स्वच्छता के लिए किये गए प्रयासों, स्वच्छता पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के तहत काम करने वाली कॉलेज की समितियों को सम्मानित करने हेतु एक सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान, स्वच्छ समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला, विभाग कक्ष, कार्यालय केबिन, गलियारा, पुस्तकालय और कॉलेज परिसर में सर्वश्रेष्ठ बगीचे के रखरखाव पर प्रतियोगिताएं शामिल थीं। भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के तहत सहायनीय कार्य करने के लिए सम्मानित की गई समितियों में एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान समिति, गीतांजलि हेल्पलाइन एवं मानसिक कल्याण, एनएसएस, एनसीसी, स्वच्छता समिति, स्वच्छता रिपोर्ट समिति, इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब, उन्नत भारत अभियान समिति, इको क्लब, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कौंसिल, रिन्यूएबल एनर्जी समिति, कौशल विकास समिति, प्लेसमेंट सेल तथा चरित्र निर्माण समिति शामिल हैं।

21. Inter College Activities on Baisakhi

Date: 5th April 2021 to 11th April 2021

Coordinator: Dr. Pallvi Rani, Dr. Leetika

Student Ambassadors: Aishani, Yavantika

Objective:

- To mark this day of thanksgiving to the gods and to the natural elements that facilitate a bountiful harvest
- To socialize online and share festive foods
- To establish that all human beings are equal despite the difference in economic or social status

Context:

Baisakhi is celebrated with great fervour by both Hindus and Sikhs. It marks the beginning of the Hindu solar New year. Baisakhi marks the first day of the month of Baisakhi and is usually celebrated on 13th or 14th April every year. It is also a historical and religious festival for Sikhs. This holiday is also known as Baisakha Sankranti and celebrates the Solar new year, based on the Hindu Vikram Samvat calendar. It is additionally a spring harvest festival for many Indians.

Practice:

The Character Building Committee organized inter-college activities on the occasion of Baisakhi which was celebrated on 13th April. One week was given to the students who wanted to participate in these activities. There were three different activities.

1. Dressing up in colourful Punjabi Attire
2. Clicking pictures of proper Punjabi Dishes
3. Making short videos while singing a Punjabi Song

Participation in more than one activity was allowed and volunteers participated enthusiastically in these activities under the able guidance of the teachers – Dr. Pallvi Rani, Dr. Seema Kanwar, and Dr. Leetika, and our Principal Dr. Nisha Bhargava taking all the necessary Covid-19 protocols. Enthusiastic participation was witnessed by the students of our College as well as from other Colleges. Cash prizes were also awarded to the winners.

Outcome:

Students showed immense creativity and exhibited their hidden talent. They also gained experience by way of participation in this event. The students were happy that they got a chance to represent their culture so beautifully. They got to wear their traditional attires and celebrate Baisakhi. Their enthusiastic participation made the event a great success.

Evidence of success:

154 entries were received from different colleges and students from different streams participated in the event.

Activity at a Glance



**Character Building Committee
Of
MEHR CHAND MAHAJAN DAV
COLLEGE FOR WOMEN**

Organizes

**INTER COLLEGE ACTIVITIES
ON BAISAKHI** All you have to do is -

- ✦ Click Pictures In PUNJABI ATTIRE
- ✦ Cook PUNJABI DISHES & Send Pictures Of The Same
- ✦ Make Short Video While Performing Singing On Punjabi Song.

Participation in more than one activity is allowed

E- CERTIFICATES WILL BE GIVEN TO ALL THE PARTICIPANTS

STUDENT AMBASSADORS
- YAVANTIKA
- AISHANI

COORDINATORS
- Dr. Pallavi Rani
- Dr. Leetika

CONVENOR
- Dr. Seema Kanwar

CHAIRPERSON & PRINCIPAL
- DR. NISHA BHARGAVA

Send your entries at goodcharactermcm@gmail.com

CASH PRIZES-
FIRST PRIZE 1500/-
SECOND PRIZE 1300/-
THIRD PRIZE 1000/-

For Queries Contact
9729571221

Last Date Of Submission
11th April, 2021



22. "Harvest Festivals: A time to celebrate Mother India"

Date : 6th April, 2021 to 10th April, 2021

Number of participants : 81

Co-ordinators: Dr. Japneet Kaur & Dr. Sonica

Student Ambassadors - Aditi Joshi, Tanya, Khusbhu, Avantika Sharma, Khyati

Context :

The National Level Competition “Harvest Festivals : A time to Celebrate Mother India” was organized by the Character Building Committee to celebrate the season of harvest. The event was conducted to educate the students about the importance of harvest festivals celebrated throughout the country in different forms.

Objective:

The competition aimed at creating awareness about the different types of harvest Festivals that are celebrated all across India including Baisakhi, Bihu, Holi, Onam, Naukhai, Ladakh Harvest Festivals. The main objective was to make the students more familiar with the different kinds of Harvest Festivals that are celebrated all across our country by the people of our nation.

Practice:

The Competition consisted of three Activities namely Self Composed Poem, Poster Making and PowerPoint Presentation. The participants were allowed to take part in more than 1 activity.

- For the Self Composed Poem, the participants were asked to write a poem in either Hindi/English/Punjabi.
- For the Poster Making Competition, they were asked to make a poster on any one of the above mentioned festivals as their main theme.
- And, for the PowerPoint Presentation, the contestants were asked to make a PPT containing 5 to 10 slides. And, later attach their entries to the Google form link provided.

Outcome:

The participation of each participant was praiseworthy. Every entry that was sent for the competition consisted of its own unique quality making everyone aware of how much hard work was put into it by the participants.

Evidence of Success: More than 80 students participated in the event. The enthusiasm of the participants was evident from their entries and the efforts they put into them making each and every entry special. All in all, the activity was a great success.

23. Critical Citizenship- Earning and Learning Sensibly: A workshop cum Awareness Program

Date: 7th May, 2021

Objectives: To enlighten the audience on a global perspective so that they can explore emerging fields in an environment where earning, learning and better living can be pursued with due respect to nature)

Coordinator: Dr. Minakshi Rana

Student Coordinators: Neeruj, Saashi, Kriti, Anshika

Entries received: More than 400 people including faculty, professionals, research scholars participated from all over India and from different parts of the world like Jordan, Philippines, Pakistan, Ghana, Bangladesh, Srilanka to name a few countries.

Practice: A sensible and critical approach in thought and practices is the need of the hour to restore the imbalance being created between nature and society. More than 400 people across the world joined the session and got acquainted with the emerging fields in environment where earning, learning and better living can be pursued with due respect to nature. The Resource Person for the session was Prof. Vinod Chaudhary from Department of Sociology Panjab University Chandigarh who is a naturalist and worked on several national and international work fronts to promote working and studying while staying close to nature. The participants were encouraged to develop an amalgamation of civic sense with scientific aptitude through the webinar. Prof. Vinod mentioned how the cultivation of some eco-friendly plants like bamboo, hemp and vitrati grass can help not only restore the ecological balance but also offer lucrative earning opportunities.

Dr Nisha Bhargava, principal said that the theme of critical citizenship has profound contemporary relevance because the present lifestyles and living mechanisms have by passed sustainable development. People are busy in a mindless plunder of natural resources without bothering about their conservation and rejuvenation. Human beings have created forests of concrete and are contaminating our air, land and water resources. In the process we are damaging our precious lifelines. She appreciated the initiative of Department of Sociology and Character building Committee. She further mentioned that the college is continuously working for the betterment of the society. Towards the end, Dr. Bhavna Sood presented a concluding note on the workshop to highlight the main inputs from the session for the audience and Dr. Seema Kanwar, Convener, Character Building Committee offered formal vote of thanks with a thought provoking poem on Nature to the honourable principal madam, resource person Prof Vinod Kumar Chaudhary, participants and the organizing team wholeheartedly.

Evidence of Success: More than 260 participants thanked the organizers for arranging such an informative and relevant session with the help of feedback form.

Activity at a Glance

MEHRA CHAND MAHAJAN DAY COLLEGE FOR WOMEN
Sec-36A, Chandigarh (U.T.)

PRESENTS

A Workshop cum awareness program on
CRITICAL CITIZENSHIP:
Earning and Learning Sensibly

UNDER THE REGIS OF
THE CHARACTER BUILDING COMMITTEE
AND
P.G. DEPT. OF SOCIOLOGY

A global perspective to explore emerging fields in Environment where earning, learning and better living can be pursued with due respect to nature.

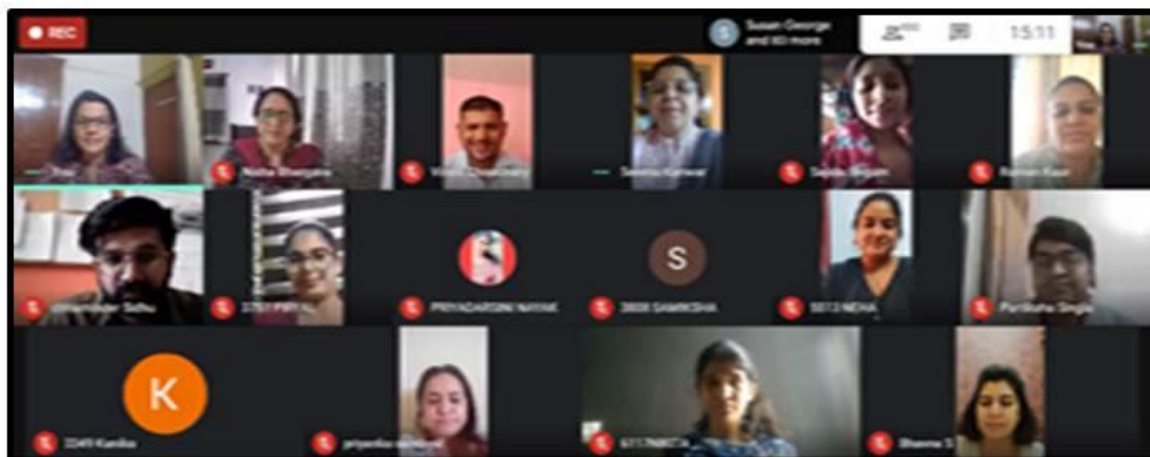
7th May, 2021 at 3 pm

RESOURCE PERSON
PROFESSOR
VINOD CHAUDHARY
DEPT. OF SOCIOLOGY
PUNJAB UNIVERSITY,
CHANDIGARH (U.T.)

Keynote SPEAKER

Student Ambassadors:
COORDINATORS
DR. BHAYNA SOOD **NEERUJ**
DR. MINAKSHI RANA **SAASHI**
CONVENER
DR. SEHA KANWAR **KRITI**
CHAIRPERSON AND PRINCIPAL
DR. NISHA BHARGAVA **ANSHIKA**

Link for registration: <https://forms.gle/UPN31V0PE3x52>



24. Online Intra-College activity on Mother’s Day – “Capture a Moment of You and your Mom”

Date: 1st May, 2021 to 5th May, 2021

No. of Participants: 81

Student Ambassadors: Serena, Saashi, Priyansha, Neeruj, Kriti Chopra, Heena, Bhagwant Kaur, Aishwarya

Convenor and Co-ordinator: Dr. Seema Kanwar

Context: Maa, Amma, Mom, Ammi, Mummy, Mumma, Aai.....she’s called with so many names all around the world; she who is the most beautiful creation of heavenly God; she who brings us in this world; she who cries and laughs with us in our bad and good times. She is our beloved mother. There’s a popular saying ‘the only day when your mother laughs when you cry is the day when you were born.’ Though her significance in our lives is impossible to describe; endless efforts are made to make her feel that she is the most important person in our life; songs, poems, slogans and what not are dedicated to her. An intra-college activity to mark the importance of this day was organized by Character Building Committee. It was an effort to express our love towards our mother who indefatigably takes care of us around the clock. On her special day in order to make her feel loved and appreciated students participated in the competition expressing their immense love and care towards their mother through their creative vision.

Objective: For this competition, the students were required to participate in only one of the given two activities which consisted of Shloka writing and slogan writing in Sanskrit and Calligraphy, poem writing, poster making in Hindi, English or Punjabi language.

Practice: the students were supposed to participate in any one of the activities to mark the celebration of Mothers’ Day. The core objective of the competition was to shower love on our mothers through calligraphy, shlokas, poems, posters and slogans adding a pinch of creativity along with loads of love which we have for her in our hearts.

Outcome: Every entry that was received was enthused with love for mothers, every letter recited her name in a creative and emotional manner; singing praises of what she does for us.

Evidence of success: An overwhelming response was observed from the students in this competition. Some of the glimpses of the talent of the participants is shared below.

Activity at a Glance



**CHARACTER BUILDING
COMMITTEE
And
DEPARTMENT of SANSKRIT
OF
MEHR CHAND MAHAJAN DAV
COLLEGE FOR WOMEN
Sec- 36A, Chandigarh (U.T.)**

are organizing
**An Intra- College activity on:
MOTHER'S DAY**

Students can participate
in any One Activity :-

- 1.) Calligraphy, shlokas writing, slogan writing, poster making, (पंक्ति लेखन) in Sanskrit.
- 2.) Poem writing, Slogan Writing, poster making, calligraphy writing

In any language (Hindi, Sanskrit, Punjabi and English)

Certificates will be provided

Send your entries on
goodcharactermcm@gmail.com
from:- 1st May - 5th May

STUDENT COORDINATORS
Aishwarya BA3
Prigansha BA3
Bhagwant Kaur BA2
Heena BA2
Kriti Chopra BA1
Saanvi BA1
Neeraj BA1

CONVENER
Dr. Seema Kanwar
CHAIRPERSON and PRINCIPAL
Dr. Nisha Ibhargava

For queries contact:
98722561, 987225278

एमसीएम में मातृ दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। जीवन में एक माँ के अथक योगदान की स्वीकारोक्ति एवं मातृत्व की भावना के उत्सव को चिह्नित करते हुए, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन ने अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं का अंतर्निहित उद्देश्य हमारी भारतीय परंपरा 'मातृ देव भवः' को छात्राओं को आत्मसात करने का आह्वान करना था। कॉलेज के पर्सनेलिटी डेवलपमेंट क्लब ने ग्रीटिंग कार्ड और हैंडमेड गिफ्ट मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए पचास से अधिक हृदयविदारक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिसमें कि प्रतिभागियों ने अपनी माताओं के लिए अपनी हार्दिक भावनाओं को व्यक्त किया। ग्रीटिंग कार्ड और हस्तनिर्मित उपहार बनाने की प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वंशिका गर्ग को मिला जबकि दूसरा एवं तीसरा पुरस्कार क्रमशः विपाशा एवं आंचल को दिया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने भी इस अवसर पर एक स्वरचित कविता 'मेरी माँ' साझा की, जिसमें किसी के जीवन में माँ की अतुलनीय भूमिका को वर्णित किया गया है। डॉ भार्गव ने पर्सनेलिटी डेवलपमेंट क्लब, चरित्र निर्माण समिति और संस्कृत विभाग द्वारा विद्यार्थियों में माताओं की अद्वितीय भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करने के इन अनूठे प्रयासों की सराहना की।



**Manpreet Kaur
3045**



Name: Shreya Mahal
Class: BA1
Roll no: 1027
Category: Poster Making



Mehak
2277
BA3

25. Inter - College Competition on the occasion of World Environment Day

Date: 25 May, 2021 - 3 June, 2021

Number of Participants: 47

Coordinator: Dr. Pallvi Rani

Student Ambassadors: Jasnoor Kaur Aishani, Yavantika, Ranjana Yadav and Navneet

Objectives: To motivate today's generation to plant a sapling and make best out of waste items. To groom participants as responsible citizens by showing eagerness and willingness and to help in enhancing and preserving Mother Nature.

Context: World Environment Day is celebrated on 5th June every year and this year the focus is on biodiversity. The theme that has been selected for World Environment Day 2021 is 'Ecosystem Restoration'. The environment includes the living and nonliving things that an organism interacts with or has an effect on it. It is one of the biggest events celebrated every year in the world. World Environment Day has been celebrated since 1974. It is also called "People's Day" to take care of the earth and the environment.

Practice: The Character-Building Committee and Landscaping Committee of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh conducted an inter-college competition on World Environment Day. 47 participants participated enthusiastically in this activity under the able guidance of the Principal Dr. Nisha Bhargava, Convenor Dr. Seema Kanwar and Coordinator Dr. Pallavi Rani while following all the necessary Covid-19 protocols. Entries were received from different colleges including Postgraduate Government College for Girls, Chandigarh, Dev Samaj College for Women, DAV College of Education, Abohar, DAV Institute Of Management, Faridabad, Guru Nanak College Of Education, Dalewal, and Government College For Girls, Ludhiana. The participants made full use of the waste materials and showed their creativity and also planted saplings. The participants shared the pictures of their work through the online platform. The zeal of the participants was appreciable and they learned how to treat mother earth with care. They utilized their time and felt a lot of satisfaction after participating in these activities.

Conclusion:

It was a successful event as students showed their eagerness to participate well. Also, various students from other colleges put in their best for this activity. It was very informative and insightful, and the students were fully satisfied. They gained experience through best out of waste activities, planted saplings, and spreading awareness regarding the importance of plants especially in the current times of pandemic.

Activity at a Glance



CHARACTER BUILDING COMMITTEE
&
LANDSCAPING COMMITTEE
of
MEHR CHAND MAHAJAN DAV
COLLEGE FOR WOMEN
are organising
An Inter - college competition
on the occasion of
World Environment Day (June 5)

The competition includes :

- Plant a sapling & send a picture of the same
- Best out of waste from recyclable things like newspaper , ropes , etc.

***E- certificates will be provided to all the winners.**
***Send your entries to: goodcharactermcm@gmail.com**
***Last date to submit your entries is June 3, 2021.**

Coordinator Dr. Pallvi Rani
Convener Dr. Seema Kanwar
Chairperson & Principal Dr. Nisha Bhargava

Student Ambassadors:
Jasnoor kaur
Yavantika
Aishani
Ranjana Yadav
Navneet

For any queries , contact : +91 97295 71221

पर्यावरण मुद्दों पर करवाए व्याख्यान और प्रतियोगिताएं

चंडीगढ़। शहर के विभिन्न कॉलेजों ने शनिवार को पर्यावरण दिवस के मौके पर व्याख्यानों और पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। डीएवी कॉलेज-10 के स्नातकोत्तर जीव विज्ञान विभाग की ओर से पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पर वेबिनार करवाया गया। इसमें 500 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि रायत बहारा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. परचंद सिंह रहे।

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स-11 में पर्यावरण दिवस के मौके पर 'प्लास्टिक को न कहे' अभियान शुरू किया गया। कॉलेज ने इस विषय पर पोस्टर, स्लोगन, रैली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। एमसीएम डीएवी कॉलेज ने भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए पौधरोपण, ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, एक पौधा लगाओ जैसी

विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज-26 को विश्व पर्यावरण दिवस पर नेशनल ग्रीन कॉर्प्स की ओर से कॉलेज श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण सोसाइटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राचार्या सरबजीत कौर और सह-संचालक, धरत सुहावी पर्यावरण सोसाइटी, डॉ. जसवीर कौर बराड़ ने ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्या ने इस उपलब्धि के लिए पर्यावरण समाज के सदस्यों डॉ. नवजोत कौर, मीना जिंदल, डॉ. इंद्रपाल पसरीचा और डॉ. सरनजीत कौर के प्रयासों की सराहना की। एसडी कॉलेज-32 ने पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए नवीनीकरण-पर्यावरण को फिर से जीवित करने की कुंजी विषय पर व्याख्यान करवाया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में बायोमैडिकल रिसर्च केंद्र के निदेशक प्रो. अशोक धवन मुख्य वक्ता रहे। ब्यूरो



26. **‘Ayushman Bhava’**, a workshop cum awareness program on relevance of Ayurveda in modern life with special reference to lifestyle disorders

Date- 10th June, 2021

Coordinator - Dr. Minakshi Rana

Student Coordinators- Neeruj, Saashi, Kriti, Anshika

Objectives- 1. To make people aware about the rich cultural heritage of India i.e. Ayurveda and to share ayurvedic remedies for various lifestyle disorders.

Entries received- A total number of 565 people including faculty, professionals, research scholars registered for the workshop from all over India and from different parts of world like Jordan, Philippines, Pakistan, Ghana, Bangladesh, Afghanistan, Muscat Oman, Egypt, Nigeria to name a few countries.

PRACTICE- Health is the most precious gift one should strive for in these challenging times of pandemic COVID19. The rich Indian cultural heritage of Ayurveda can help people immensely to maintain holistic wellbeing. The resource person for the day Dr N S Bhardwaj, Joint Director, Directorate of Ayush, U. T. Chandigarh mentioned the importance of a disciplined lifestyle to maintain a healthy mind as well as body. He insisted on the practice of yoga to release stress related to work, health and studies. He further enlightened the audience on the significance of consumption of freshly cooked food and fruits in daily routine. He suggested to consume triphala powder, ashwagandha powder and giloy tablet for strong immunity. On account of increased screen exposure these days, he suggested to consume powder of dry almonds, black pepper, rock candy and cardamom. The daily intake of any ayurveda powder should not be more than 1 to 3 grams.

Principal of the College, Dr Nisha Bhargava mentioned that the Ministry of Ayush, Government of India is doing tremendous work in helping people to fight against the pandemic of COVID19. She urged the audience to download the Sanjeevani Mobile App that is launched by the Ministry of Ayush, Government of India to help people in adopting Ayush recommendations for treating various infections and ailments. She appreciated the initiatives taken by the Character Building Committee. She further mentioned that the college is continuously working for the betterment of the society. Towards the end, Dr. Seema Kanwar, Convener, Character Building Committee recited a thought provoking poem on the practice of ensuring balance of Allopathic medicine and Ayurveda. She also delivered a vote of thanks to the honourable principal madam, resource person Dr N S Bhardwaj, participants and the organizing team for participating in the event with enthusiasm.

Evidence of Success- More than 350 participants thanked the organizers for arranging such an informative and relevant session with the help of feedback form. Further, many participants expressed their gratitude through comments in the YouTube chat box and Google meet Chat Box

Activity at a Glance

MEHR CHAND MAHAJAN DAY COLLEGE FOR WOMEN
Sec-36A, Chandigarh
Under the aegis of
CHARACTER BUILDING COMMITTEE
is organizing
“आयुष्मान भवः”
A webinar on rejuvenating the relevance of ayurveda in modern times with special reference to lifestyle disorders
Our distinguished speaker
Dr N S Bhardwaj
Joint Director
Directorate of Ayush
U.T. Chandigarh
Date: 10th June 2021
Timings: 3pm to 4pm.
Student Ambassadors:
Kriti Chopra
Naveed Sagorani
Sasmiti Choudhan
Anshika Yadav
Coordinator:
Dr. Minakshi Rana
Convener:
Dr. Seema Kanwar
Chairperson & Principal:
Dr. Nisha Bhargava
Participants may ask their queries in the live session
Register at
https://forms.gle/5dA1WkqyGk8m9g1 latest by 8th June, 2021 to join the session.

एमसीएम ने आयुर्वेद पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया
चण्डीग्रह (ऋषभ आचार्य / हिमप्रभा)। मेहर चंद महाजन डीएच कॉलेज फॉर विमेन की चरित्र निर्माण समिति ने आयुष्मान भव- जीवन शैली विकारों के विशेष संदर्भ के साथ आधुनिक जीवन में आयुर्वेद की प्रासंगिकता पर एक ऑनलाइन कार्यशाला व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली यानी आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा के बारे में जागरूक करना और उन्हें विभिन्न जीवनशैली विकारों के लिए आयुर्वेदिक उपचार के बारे में बताना था। पूरे भारत से और जॉर्डन, फिलीपींस, पकिस्तान, भाना, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, मस्कट ओमान, मिस्र और नाइजीरिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से संकाय, पेशेवरों, शोध विद्वानों सहित 565 से अधिक लोगों ने कार्यशाला के लिए पंजीकरण कराया। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता डॉ एन एस भारद्वाज, संयुक्त निदेशक, आयुष निदेशालय, यूटी चण्डीग्रह ने मन और शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक अनुशासित जीवन शैली के महत्व के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने काम, स्वास्थ्य और पढ़ाई से जुड़े तनाव को दूर करने के लिए योगाभ्यास पर जोर दिया। डॉ. भारद्वाज ने दर्दकों को दैनिक दिनचर्या में ताजे फलें भोजन और फलों के सेवन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने मजबूत प्रतिष्ठा के लिए त्रिकला चूर्ण, अध्मांध चूर्ण और गिल्लेय को गोली का सेवन करने का सुझाव दिया। प्रधानाचार्य डॉ निशा भार्गव ने बताया कि अरुण मंत्रालय, भारत सरकार लोगों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ने में मदद करने के लिए जबरदस्त काम कर रही है और दर्दकों से मंत्रालय द्वारा लॉन्च किए गए संजीवनी मोबाइल ऐप को डाउनलोड करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की समृद्ध भारतीय परंपरा सभ्य कल्याण को बनाए रखने में लोगों को काफी मदद कर सकती है।

27. 'Build Your Mind Power', an online competition

Date : 30 December 2020

Number of participants : 55

Student ambassadors: Ms. Tamana, Ms. Rachita Seth Ms. Tejinder kaur Ms. Dilpreet Kaur
Ms. Shaina Arora

Co-ordinator: Ms. Vandita Kapoor

Context: Yoga has been one of the best remedies for our physical and mental illness since ages. On the occasion of international Yoga Day, we thank our body and mind to be with us and relax them away from all the chaos. In today's world, relaxation is a task, but when we think of yoga, it is easy and comforting.

Objective: Yoga can be a source of strength in this pandemic. The fear of this virus has kept many of us indoors, this forced confinement has increased the stress on our bodies and minds. Hence, to relieve stress and strengthen our immune system, yoga is the key.

Practice: As per the guidelines of this competition, the students were required to make a 30 seconds to 1 minute video of themselves performing yogic asanas. This helped them in enlightening their souls and understanding the importance of yoga in their daily lives.

Outcome: The activity witnessed an outstanding response. Many students of different streams, colleges, and regions participated.

Activity at a Glance

**Mehr Chand Mahajan
DAV College for Women**
Sector 35-A, Chandigarh (I.T.)

**CHARACTER BUILDING COMMITTEE
OF
MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE, FOR WOMEN
IS ORGANISING
A NATIONAL LEVEL
VIDEO MAKING COMPETITION WHILE PERFORMING
ASANAS
on the occasion of
INTERNATIONAL YOGA
DAY**

INSTRUCTIONS

- Make a video while performing yoga asanas.
- Duration - 30 sec to 1 min.
- Last date of submission is 19th June 2021.
- Submit your entries by clicking on the form link provided below
- E-certificates will be provided to all participants.

1st prize - ₹2000
2nd prize - ₹1500
3rd prize - ₹1000

**BUILD YOUR
MIND POWER!**

MS. TANIJA
MS. BACHITA SETH
MS. GULPREET KAUR
MS. TEJINDER KAUR
MS. SHAINA ARORA
Student Ambassadors

MS. VANDITA KAPOOR
CO-ORDINATOR

DR. SEEMA KUMAR
CONVENER

DR. NISHA BHARGAVA
PRINCIPAL & CHAIRPERSON

For any queries please contact -91 8892920007

Click on the form to submit your entries

<https://forms.gle/6Z0SPN4Z0V6SM8A>



एमसीएम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमें ने बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'बी विद योग, बी एट होम' नामक अभियान के साथ, कॉलेज ने एनएसएस इकाइयों, एनसीसी, साइको सोशल सपोर्ट सेल, चरित्र निर्माण समिति और शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन गतिविधियों के साथ दिन मनाया। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने अपने परिवार के साथ योगाभ्यास कर दिन की शुरुआत की। डॉ. भार्गव ने सभी से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए योग को अपनाने का आग्रह किया।

कॉलेज में योग के विभिन्न आसन और व्रीडिंग एक्सरसाइज की टी जानकारी

एन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर विमें में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'बी विद योग, बी एट होम' नामक अभियान के साथ अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के साथ दिन मनाया। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तरीय अभियान का एक अमूल्य उपकरण है जिसने मनो-मानसिक टैरिबल और मानसिक के अभाव में सामाजिक अलगाव के प्रभावों से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कॉलेज को एनएसएस इकाइयों ने सहयोग प्रदान करते हुए के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षक वीरेंद्र द्वारा ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया। सत्र के लिए 120 से अधिक सहयोगकर्ताओं और सहयोगियों ने प्रतिक्रिया देकर। सत्र के दौरान, अस्मने का प्रदर्शन किया, जिसमें अस्तंग, शशाङ्गन, पुरुषोत्तम, अनुत्तम, सदासन और त्रिकोणसन शामिल हैं। उन्होंने व्रीडिंग एक्सरसाइज करने का सही तरीका भी बताया। एनएसएस के कुछ सदस्यों ने विभिन्न पदों पर योग सत्र पर अतिरिक्त ऑनलाइन प्रतिक्रिया प्रतिक्रियाओं में भी योग दिया। एनएसएस विभाग योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शक द्वारा ऑनलाइन योग प्रदर्शन का भी आयोजन किया। 100 से अधिक उपस्थितियों और साथ ही शामिल हुए, जिसमें सेनॉटिड ने विभिन्न अस्मने का सही प्रदर्शन किया।



Character Building Committee

Mehr Chand Mahajan DAV College for Women
Sector-36A, Chandigarh